बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) में एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 04 जून 2026 | दिन - बुधवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 127 | मूल्य - 5 रुपये

गोंदिया विधानसभा में निर्दलीय जीत का इतिहास रचने वाले और पहली बार कमल खिलाने वाले जुझारु जननेता विधायक विनोद अग्रवाल..

जिन्होंने संगठन से सत्ता तक हर पद और हर कार्य में प्रस्तुत की उत्कृष्ट कार्य, उत्कृष्ट सेवा और विनम्रता की मिसाल..

■ तो वही जब बात आई जनता के साथ नाईंसाफी की, तो टेबल ठोकने और जिम्मेदारों पर गर्म होने से भी नही चुके..

■ 4 जून जन्मदिवस पर विशेष..

आशीष वर्मा, जगप्रेरणा गोंदिया।

चाहे बात देश की आजादी से पहले की कि जाए, या फिर आजाद भारत की। भारत देश में राजतंत्र हो या फिर लोकतंत्र, नेतृत्व करने वाले राजा या फिर लोकतंत्र में नेता के पद पर ही शक्तियों का विकेन्द्रिकरण रहा है। पद के अनुरुप मिली शक्तियों का जब राजाओं या नेताओं ने सहीं दिशा में उपयोग किया, तो देश की जनता में प्रसन्नता का माहौल रहा, और राजा या नेता की मिसालें कायम हुई, अन्यथा जहां देश में राजतंत्र में

जनता के विद्रोही होने की परिस्थितियां निर्मित होने के साथ ही राजा को गद्दी से बेदखल करने के कारनामे भी हुए, तो वहीं लोकतंत्र में तो 5 साल में पूरा हिसाब करने का अवसर भी आम जनता को प्राप्त हुआ। इसी का परिणाम है कि देश में लोकतंत्र में प्रत्येक पदों पर नेताओं के कार्यों का मूल्यांकन आम जनता ने उनके संघर्ष, उनके विचार, उनके कार्यों और उनके व्यवहार के साथ ही उनके इर्द गिर्द जुड़े लोगों के अनुरुप किया, और इसका परिणाम रहा कि पद अपनी जगह कायम रहे, लेकिन चेहरे बदलते गए। लेकिन इन परिस्थितियों में भी कुछ ऐसे भी योद्धा रहे, जिन्होंने कि अपनी दृढ़ ईच्छाशक्ति और सांगठनिक क्षमता से इतिहास पर इतिहास रचने का काम किया। गोंदिया विधानसभा और विधानसभा की जनता भी ऐसी ही सौभाग्यशाली रही, कि जिसने बड़े ठोस निर्णय से नीति पथ पर चलते हुए कर्मठ संघर्ष को पुरे विश्वास के साथ एक बार नहीं दो बार तिलक लगाकर इतिहास रच दिया, और विधायक विनोद अग्रवाल के संघर्ष को सम्मान प्रदान कर निर्दलीय जीत का इतिहास रचने के साथ ही फिर गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में पहली बार भाजपा का कमल भी खिलाया। क्षेत्र की जनता इतने आत्मविश्वास से दो बार इतिहास रचने का निर्णय ले सकी, तो निश्चित ही इसका सबसे बड़ा कारण बना विधायक विनोद अग्रवाल का कठिन संघर्ष और विकास की प्रतिबद्धता, जिसने आम जनता को भावनात्मक रुप से प्रेरित किया कि वो विधायक विनोद अग्रवाल के साथ बनी रहे, क्योंकि जहां पद पर चुने जाने से पहले चुनावी हार के बावजूद विनोद

अग्रवाल जनता के बीच सक्रिय और सेवारत रहे, वहीं जब विधायक बने भी तो पुरे पांच साल सेवा में निरंतरता बनाए रखी, और इसका परिणाम यह रहा कि दूसरी बार भी लगातार विधायक विनोद अग्रवाल को आम जनता ने सर आंखों पर रखा, और विधायक हो तो विनोद अग्रवाल जैसा इसकी मिसाल अन्य विधानसभाओं में भी आम जनता अपने अन्य नेताओं के बीच देने से नहीं चूकती।

और जब निर्दलीय चुनाव लड़कर जन जन को कर दिया निर्णय लेने मजबूर..

गौरतलब है कि जब 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी नेतृत्व ने ही विधायक विनोद अग्रवाल के साथ धोखा किया, और गोपालदास अग्रवाल को उम्मीदवार बना दिया, तब यह निर्णय एक तरफ जहां आम जनता को स्वीकार नहीं था, वहीं अनेक भाजपा विचारधारा के लोगों को। लेकिन भाजपा ऐसी अनुशासित पार्टी भी है, जहां पर पार्टी के निर्णय अस्वीकार होने के बाद भी अनेक कार्यकर्ता पार्टी के प्रति हर स्थिति में समर्पित बने रहते हैं। इस स्थिति में खुद विनोद अग्रवाल भी पशोपेश में थे, कि क्या निर्णय लें, लेकिन एक तरफ पार्टी विचारों पर निर्णय लेने की बात थी तो वहीं दूसरी तरफ लोकतंत्र को बचाने की बात आ खड़ी हुई थी। इस स्थिति में लोकतंत्र की लाज रखने का विनोद अग्रवाल ने निर्णय लिया, और पुरी बहादुरी से उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। जब विनोद अग्रवाल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया, तब अनेक कट्टर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही संघ की विचारधारा से जुड़े लोगों के साथ ही आम जनता का झुकाव भी विनोद अग्रवाल के पक्ष में होता चला गया। पहली बार गांव गांव में चुनावी सभाओं में आम जनता ने राशि एकत्रित कर विधायक विनोद अग्रवाल को आशीर्वाद स्वरुप में प्रदान की, और इसका परिणाम रहा कि विनोद अग्रवाल ने 25 हजार मतों के ऐतिहासिक मतांतर से अधिक मतों से निर्दलीय चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया।

■ और फिर बारी थी निर्दलीय विधायक के रुप में खुद को साबित करने की..

गौरतलब है कि निर्दलीय विधायक बनने के बाद विनोद अग्रवाल निरंतर जनता के बीच बने रहे। एक तरफ अपने छोटे से कार्यालय में विनोद अग्रवाल ने दिल खोलकर जनता से संपर्क में बने रहते हुए रात और दिन अपना अधिकांश समय आम जनता के प्रति समर्पित कर दिखाया, तो वहीं जनता की समस्याओं के समाधान में भी कोई कसर बाकी नहीं रखी। दीन दुखियों की मदद के साथ साथ जब दौर कोरोना महामारी का आया, तब स्वयं और परिवार के कोरोना प्रभावित होने के बाद भी विधायक विनोद अग्रवाल जनसेवा में डटे रहे, और जरुरतमंदों की मदद करने के साथ साथ अस्पतालों और कोरोना मरीजों के मददगार बने रहे। इसके साथ ही जब कोरोना काल से क्षेत्र मुक्त हुआ, तो जहां आपदा के दौर में किसानों मजदूरों की मांगों को सदन में बेबाकी से उठाया, तो वहीं क्षेत्र के विकास के लिये भी यथासंभव और आवश्यकतानुसार विधायक विनोद अग्रवाल ने अपना योगदान दिया। विधायक विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में गोंदिया शहर और ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी संख्या में सड़कों का निर्माण हुआ, तो वहीं मेडिकल कॉलेज, सुभाष गार्डन के नव निर्माण संहित अनेकों कार्यों को मंजूरी मिली। क्षेत्र के विधायक के तौर पर जगह जगह शिविर लगाकर भी जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिये सदैव विधायक विनोद अग्रवाल प्रयत्नशील रहे, और निर्दलीय विधायक के रुप में अपनी कार्यशैली और ईच्छाशक्ति को भी विधायक विनोद अग्रवाल ने साबित किया।

■ संक्षिप्त जीवन परिचय..

विधायक विनोद अग्रवाल का जन्म 4 जून 1970 को पिता संतोषकुमार अग्रवाल एवं माता श्रीमती शकुंतला देवी अग्रवाल के चार पुत्रों में सबसे छोटे पुत्र के रुप में मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के ग्राम छपारा में हुआ था। पारिवारिक कारणों से बाद में विनोद अग्रवाल परिवार के साथ गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील के ग्राम चोपा में आकर बस गए। यहां पर बड़े भाईयों के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय ग्रामीण स्कूल में पूर्ण की, तथा माध्यमिक शिक्षा के साथ ही उनका झुकाव राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर हो गया। संघ की शाखाओं में जाने के साथ ही हिन्दुत्व की विचारधारा का अनुसरण करते हुए विनोद अग्रवाल 15 वर्ष की उम्र में भाजपा संगठन से जुड़ गए, जब 1989 में तत्कालीन विधायक खुशाल बोपचे के संपर्क में आकर चुनावी कार्यकर्ता के रुप में उन्होंने चुनाव में जी जान से कार्य करते हुए राजनीतिक शुरुआत की थी, तो वहीं कॉलेज की पढ़ाई के दौरान भाजपा युवा मोर्चा से जुड़े, जब विनोद अग्रवाल को युवा मोर्चा में तालुका सचिव, और फिर उनकी नेतृत्व क्षमता के अनुरुप युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष मनोनित किया गया। इसके उपरांत गोरेगांव तालुका भाजपा महामंत्री, भाजपा जिला महामंत्री, और फिर जिला परिषद उपाध्यक्ष के रुप में कार्य करते हुए 2013 में भाजपा के जिलाध्यक्ष बनाये गए।

■ भाजपा जिलाध्यक्ष बनकर संगठन को दी बड़ी मजबूती..

गौरतलब है कि जिले में आज जबकि भाजपा संगठन शीर्ष पर नजर आता है, लेकिन बीते समय की बात की जाए तो गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा शिवसेना के गठबंधन में गोंदिया की सीट शिवसेना के खाते में होने के कारण गोंदिया में भाजपा शिवसेना के पीछे खड़ी नजर आती थी, परंतु जबकि 2013 में विनोद अग्रवाल को भाजपा जिलाध्यक्ष मनोनित किया गया, उन्होंने पार्टी संगठन के लिये कार्यकर्ताओं की जो फौज खड़ी की, और केन्द्र की यूपीए सरकार व प्रदेश की कांग्रेस राकां सरकार के खिलाफ जो जनआंदोलन खड़े किये, उसका परिणाम रहा कि गोंदिया जिले में भाजपा संगठन से जन जन का नाता स्थापित हो चुका था। जबकि शिवसेना जिले में अस्तित्वहीन दिखाई देने लगी थी। इसका परिणाम यह हुआ कि 2014 में भाजपा शिवसेना के गठबंधन में टूट हुई तो भाजपा संगठन द्वारा तत्कालीन जिलाध्यक्ष विनोद अग्रवाल को गोंदिया विधानसभा में उमीदवार बनाया गया। चंद दिनों के चुनाव प्रचार और पीएम मोदी की चुनाव प्रचार सभा के बाद भी इस चुनाव में हांलांकि भीतरघात के चलते बहुत कम अंतर से विधायक विनोद अग्रवाल पराजित हो गए, लेकिन चुनाव परिणामों में गोंदिया विधानसभा में चतुष्कोणीय मुकाबले में भाजपा ने जितने वोट लिये, उससे भाजपा ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस को पछाड़कर स्थापित होने का दम जरुर बना लिया, जो कि विधायक विनोद अग्रवाल के सशक्त नेतृत्व में संभव हो पाया।

■ चुनावी हार का अफसोस करने की बजाए फिर निकल पड़े मैदान में..

गौरतलब है कि भाजपा उम्मीदवार के रुप में जब विनोद अग्रवाल चुनाव हार गए, तो हारने के बाद एक गजब का आत्मविश्वास उनके अंदर जागा, चुनाव हारने के बाद विलाप करने की बजाए विनोद अग्रवाल क्षेत्र की जनता को धन्यवाद देने जनता के बीच निकल पड़े। इसके साथ ही विनोद अग्रवाल के पुरे पांच साल कदम जरा भी नहीं रुके। भाजपा संगठन को क्षेत्र में सबसे दमदार संगठन बनाने, गांव गांव में भाजपा में कार्यकर्ताओं के प्रवेश का रिकार्ड पर रिकार्ड स्थापित कर विनोद अग्रवाल ने दिखा दिया, तो वहीं गोंदिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत चुनावों में भी भाजपा उम्मीदवारों की जीत के लिये पूरी जिम्मेदारी कांधों पर लेकर पूरी ताकत से काम करने का कार्य किया। इसके साथ ही विधायक गोपालदास अग्रवाल के खिलाफ पुरी ताकत से निरंतर मुखर बनकर एक बड़ी चुनौती विनोद अग्रवाल ने प्रस्तुत कर ही दी। विनोद अग्रवाल की इस तरह की कोशिशों से एक माहौल भाजपा और उनके पक्ष में तैयार होता चला गया, और जबकि प्रदेश की राजनीति में भाजपा का वर्चस्व और लहर बनती चली गई, तब विधायक विनोद अग्रवाल के साथ पार्टी नेतृत्व ने ही धोखा कर दिया, कि जब कांग्रेस विधायक गोपालदास अग्रवाल को कांग्रेस से भाजपा में लाकर टिकिट दे दी गई, और तब बारी आई नीतिगत फैसले की, जिसमें विधायक विनोद अग्रवाल ने असली भाजपा और नकली भाजपा की लड़ाई छेड़ने का साहस भी दिखा दिया।

■ भाजपा कांग्रेस के मुकाबले चाबी संगठन को खड़ा कर दिखाया..

गौरतलब है कि निर्दलीय विधायक बनने के बाद विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा भाजपा को समर्थन देने के बाद भी जब समर्थकों और कार्यकर्ताओं को भाजपा संगठन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का प्रयास किया जाने लगा, तब भाजपा कांग्रेस जैसे संगठनों के मुकाबले विधायक विनोद अग्रवाल ने अपना पार्टी संगठन जनता की पार्टी (चाबी संगठन) को पंजीकृत राजनीतिक संस्था के रुप में स्थापित कर ना सिर्फ दिखाया, बल्कि बड़े दलों के मुकाबले अधिक मजबूत संगठन के रुप में स्थापित कर भी दिखा दिया। ग्राम पंचायतों, पंचायत समिति, जिला परिषद, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के चुनावों तक में जिस तरह से विधायक विनोद अग्रवाल समर्थकों ने जीत दर्ज की, विधायक विनोद अग्रवाल अन्य दलों और अन्य सभी प्रतिद्वंदियों के लिये सबसे बड़ी चुनौती बन चुके थे।

■ और 2024 के चुनाव में फिर इतिहास रचते हुए पहली बार खिला दिया कमल..

गौरतलब है कि विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यों से बढ़ती लोकप्रियता के चलते चुनौतियां धीरे धीरे दम तोड़ती दिखाई देने लगी थी, और एक बार फिर विधायक विनोद अग्रवाल निर्दलीय जीत का इतिहास रचने की ताकत भी बना चुके थे, लेकिन भाजपा की जिस विचारधारा पर उनका विश्वास पहले से था, उसके अनुरुप फिर एक बार भाजपा आलाकमान ने ससम्मान विधायक विनोद अग्रवाल को अवसर देने की बात कही, तो विधायक विनोद अग्रवाल ने इसे सहर्ष मन से स्वीकार भी किया। 2024 का विधानसभा चुनाव विधायक विनोद अग्रवाल ने भाजपा उम्मीदवार के रुप में लड़ा और अबकी बार विधायक विनोद अग्रवाल की चुनावी जीत के साथ ही पहली बार गोंदिया विधानसभा में भाजपा का कमल भी खिला। यहां उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना लागु की गई, जिसको लागु करवाने में सबसे पहले बड़ी पहल विधायक विनोद अग्रवाल ने ही की थी, और इसका परिणाम यह हुआ कि पहली बार 25 हजार के मतों का रिकार्ड बनाने के बाद अबकी बार 60 हजार मतों से जीत का रिकार्ड विधायक विनोद अग्रवाल ने बना डाला। माना जा सकता है कि इतने लंबे अंतर से जीत का रिकार्ड फिर कभी गोंदिया विधानसभा में बने, ऐसी उम्मीद भी किसी अन्य नेता के लिये नहीं की जा सकती।

■ और जब आक्रामक होने से भी नहीं चुके विधायक विनोद अग्रवाल..

गौरतलब है कि विधायक विनोद अग्रवाल के राजनीतिक जीवन में वह अवसर भी आए कि जब कहीं शासकीय प्रणाली में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों ने लापरवाही एवं भ्रष्टाचार की हद ही कर दी। जब आम जनता से जुड़ी गंभीर शिकायतें और अधिकारियों का अडियल रवैया विधायक विनोद अग्रवाल के सामने आया, तो उन्होंने तहसील कार्यालय से लेकर विद्युत विभाग तक अनेक कार्यालयों में पहुंचकर जनता के हितों के लिये आक्रामकता दिखाने से भी परहेज नहीं किया, और जनता के साथ नाईंसाफी पर टेबल ठोंकने से लेकर जिम्मेदारों पर क्रोधित होकर सख्त कार्यवाही करने का मिजाज भी विधायक विनोद अग्रवाल में नजर आया। अनेक मर्तबा यह देखन में भी आता रहा है कि विधायक विनोद अग्रवाल न नियोजन समिति की बैठक से लेकर अनेक कार्यालयिन बैठकों में अधिकारियों को सख्त लहज में चेतावनी देने का भी कार्य किया, तो वहीं विधानसभा में क्षेत्र की आवाज को पुरजोर तरीके से बुलंद करने का कार्य किया।

■ संघर्ष निरंतर जारी है..

गौरतलब है कि गोंदिया विधानसभा का 2024 का विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक विनोद अग्रवाल दो बार रिकार्ड मतों से जीतते हुए विधायक बने, और इन 7 वर्षों के कार्यकाल में भी लगातार क्षेत्र के विकास के लिये उनका संघर्ष जारी है। गांव गांव में सड़कों के निर्माण के साथ ही उद्यान, वाचनालय, व्यायाम शालाओं, कृषि गोदामों संहित मौलिक जरुरतों को पूरा करने का कार्य विधायक विनोद अग्रवाल ने कर दिखाया है, तो वहीं शासन की योजनाओं का जनता को लाभ दिलाने जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य योजनाओं से जरुरतमंदों को लाभान्वित करने का कार्य करते हुए विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयास जारी हैं, जबकि वहीं गोंदिया के पुराने ओवरब्रीज, मेडिकल कॉलेज के भवन निर्माण, नाट्य गृह संहित विकास की अनेक सौगातों को पूर्णता प्रदान करने एवं गोंदिया शहर में विभिन्न सुलभ शौचालयों, जयस्तंभ चौक पर यात्री प्रतिक्षालय का नव निर्माण, नगर परिषद अंतर्गत शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में पहल करने संहित अनेक कार्य लंबित है, जिसके पूर्ण होने की उम्मीदें आम जनता विधायक विनोद अग्रवाल से लगाए हुए है। बीते वर्षों में विधायक विनोद अग्रवाल ने विकास कार्यों में सक्रियता के साथ ही सभी जाति, धर्म के लोगों के साथ भी परस्पर मेल जोल बनाये रखने का कार्य करते हुए अपनी सामाजिक भागीदारी को भी बनाये रखा है, तो वहीं विधायक विनोद अग्रवाल ने जिस तरह से अपने कुशल व्यवहार एवं जुझारु व्यक्तित्व के साथ क्षेत्र की जनता की सेवा एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, माना जा सकता है कि भाजपा सरकार में विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र का और भी तीव्र गति से कायाकल्प होगा, तथा अपने इस कार्यकाल को बखूबी पूरा करते हुए विधायक विनोद अग्रवाल तीसरी बार जीत का रिकार्ड बनाने में भी सफल होंगे, विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिवस पर जगप्रेरणा ऐसी ही शुभकामनाएं प्रदान करते हुए विधायक विनोद अग्रवाल के स्वस्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी जीवन की कामना करता है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हसीब मोहम्मद सिवनी

मो. 7898530101

जग प्रेरणा

जिला सिवनी

● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है.. संपर्क - 9329033433

धनौरा-कहानी मार्ग पर तीन बाइकों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, दो की मौत, चार गंभीर घायल जबलपुर रेफर

बलजीत सिंह जगप्रेरणा धनौरा।

धनौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कहानी-धनौरा मार्ग पर थांवरी गांव के पास मंगलवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है।

यहाँ तेज रफ्तार तीन मोटरसाइकिलें आपस में आमने-सामने से सीधी टकरा गईं। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दो लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि हादसे में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर और दहशत का माहौल है।

दामाद के घर जा रहा था परिवार, मजदूरी के लिए आ रहे थे युवक..

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम ग्वारी के पूर्व सरपंच सुमन सिंह उइके अपने परिवार के सदस्यों के साथ दोपहिया वाहन से अपने दामाद के घर जा रहे थे। इसी दौरान दूसरी दिशा से लखनादौन क्षेत्र के निवासी प्रदीप इनवाती, ज्ञानकलाल यादव एवं नरेंद्र परते एक अन्य बाइक पर सवार होकर धनौरा वेयरहाउस में मजदूरी करने के लिए आ रहे थे। थांवरी गांव के बीच सीधी सपाट सड़क पर वाहनों की रफ्तार तेज होने के कारण तीनों बाइकें आपस में भीषण तरीके से टकरा गईं।

घटनास्थल पर मची चीख-पुकार, दो ने तोड़ा दम..

टक्कर के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही धनौरा थाना प्रभारी मनीष बंसोड़ पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों की मदद से सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनौरा पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दो व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी मनीष बंसोड़ के अनुसार, मृतकों की पहचान सुमन सिंह उइके (50 वर्ष) निवासी ग्वारी धनौरा तथा गौतम उइके (22 वर्ष) निवासी मठदेवरी, थाना लखनादौन के रूप में की गई है।

घायलों की हालत नाजुक, जबलपुर रेफर..

इस दर्दनाक हादसे में कुल आठ लोग सवार थे, जिनमें से तीन महिलाएं भी शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद चार गंभीर रूप से घायलों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए तत्काल मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के असली कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवाओं को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने के लिए प्रतिभा एक खोज कार्यक्रम प्रारंभ

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रदेश के युवाओं को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने के लिए प्रतिभा एक खोज कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है

इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी जी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई पत्रकार वार्ता में बताया गया कि युवाओं को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने के लिए ऐसे युवाओं चयन किया जाएगा जो राइटर, डिजाइनर, एडिटर, कार्टूनिस्ट ऑथर्स, ब्लॉगर्स, मोटिवेशनल स्पीकर्स, सोशल वर्कर्स एंटरटेनमेंट से में जिनकी रूचि हो 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन वे जमा कर सकते हैं आवेदन का लिंक जिला कांग्रेस द्वारा सोशल मिडिया प्लेट फॉर्म में उपलब्ध हे आवेदन जमा करने के बाद उन्हें भोपाल में चयन के लिए बुलाया जाएगा और यदि उनका चयन क्षेत्र में होता है तो उन्हें कांग्रेस के प्रचार प्रसार के लिए काम करना होगा पत्रकार वार्ता में पत्रकारों द्वारा नगर के पालिका से संबंधित मुद्दों को भी उठाया गया जिसमें आज शुक्रवारी राम मंदिर के पास पुलिया टूटने से एक टैंकर पलट गया बड़ी दुर्घटना घट सकती थी महावीर वार्ड बीजेपी से पार्षद श्रीमती अनसुईया पटवा ने कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद पर सीधे आरोप लगाया है कि उनके द्वारा पुलिया निर्माण को लेकर अनेक बार मांग की गई किंतु अध्यक्ष ने कोई ध्यान नहीं दिया जिसके कारण यह दुर्घटना घटी।

इसी तरह राय सिंह कंपनी द्वारा किए जा रहे हैं मॉडल रोड के निर्माण पर भी नगर पालिका के कार्यकारी अध्यक्ष किसी प्रकार का कोई संज्ञान नहीं ले रहे हैं जिसके चलते सड़क में घटिया निर्माण कार्य कराया गया है करोड़ों रुपए के लगे स्ट्रीट लाइट पोल निकालकर दूसरे पोलो को लगाया गया है जो की व्यर्थ खर्च हैं जो कार्य बहुत महत्वपूर्ण था बुधवारी बाजार में जो जल भराव की स्थिति बारिस में होती है उसे नाले को नगर पालिका के सामने से चिल्लर सब्जी मंडी होते हुए ईद का मस्जिद तक सामने निर्माण करना अत्यंत आवश्यक था राय सिंह कंपनी द्वारा वह कार्य नहीं किया गया भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों का ठेकेदार को पूरा संरक्षण प्राप्त है।

अनेक शिकायत के बाद भी उसे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई और ना ही कार्य को रोका गया उसे राय सिंग कंपनी द्वारा पूरी तरीके से गुणवत्ता विहीन कार्य किया गया है नगर में गौ कशी को लेकर हुई कार्रवाई पर पूछे गए सवाल में कहा गया कि पुलिस द्वारा की जाए रही कार्रवाई सही है हर अपराध पर कार्यवाही समान रूप से होना चाहिए पत्रकार वार्ता में प्रभारी कमलेश अरपाचे हर्रई, संगठन सचिव हनीफ खान, विष्णु करोसिया,जे पीएस तिवारी, प्रकाश सूर्यवंशी राज़ीक अकील शिब दीप डहेरिया, आदित्य मोंटू भूरा एवं बड़ी संख्या में जिले के सभी पत्रकार बंधु उपस्थित रहे

कोतवाली पुलिस की तत्परता से 8 घंटे में बरामद हुआ खोया बैग

8 तोला सोना सुरक्षित लौटाया..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप राय की बहन, सुश्री प्रीति राय (एडवोकेट), दिनांक 01/ 06/ 2026 की दोपहर घर से स्कूटी से बाजार आई थीं।

नगर पालिका चौक के निकट उनका बैग गिर गया, जिसमें लगभग 8 तोला सोने के आभूषण रखे थे। घटना की सूचना प्राप्त होते ही मामले को पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के संज्ञान में लाया गया।

कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से मात्र 8 घंटे के भीतर बैग का पता लगाकर उसे सुरक्षित सुश्री प्रीति राय को सुपुर्द किया। पुलिस की ईमानदारी, तत्परता एवं समर्पण से संतुष्ट होकर श्री प्रदीप राय एवं परिवार ने इस सराहनीय कार्य में संलग्न पुलिस टीम के सम्मान में ₹21,000 का चेक पुलिस अधीक्षक को भेंट किया।

सिवनी पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, सहायता एवं विश्वास बनाए रखने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

डॉ. आर. के. ठाकुर ने संभाला शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय केवलारी के प्राचार्य का पदभार

जगप्रेरणा केवलारी।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय केवलारी में पदस्थ किरार समाज जिला मंडला ही नहीं वरन संपूर्ण राष्ट्र के गौरव राष्ट्रीय कवि डॉ. आर. के. ठाकुर ने प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा नवयुवक मंडल राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं प्रेरक वक्ता मनोज ठाकुर, एस बी आई बिजनिश मैनेजर ओमप्रकाश डहेरिया आदि ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

डॉ. ठाकुर ने पदभार संभालने के बाद महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में अनुशासन, नवाचार एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. ठाकुर के नेतृत्व में संस्था नई उपलब्धियां हासिल करेगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत बनाएगी।

पदभार ग्रहण समारोह के दौरान महाविद्यालय के समस्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों ने उपस्थित होकर नवागत प्राचार्य का स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

सिवनी रजवाड़ा के विवेक अग्रवाल नागपुर में हुए सम्मानित..

इवेंट मैनेजर डे समारोह में मिला 'टोकन ऑफ एप्रिसिएशन' सम्मान

जगप्रेरणा सिवनी।

सिवनी के युवा इवेंट मैनेजर एवं गुरु कृपा इवेंट्स के संचालक विवेक अग्रवाल को नागपुर में आयोजित इवेंट मैनेजर डे सेलिब्रेशन एंड इंडस्ट्री मीट के दौरान सम्मानित किया गया।

उन्हें इवेंट इंडस्ट्री में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'टोकन ऑफएप्रिसिएशन' प्रदान किया गया। नागपुर इवेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन **(NEM)** द्वारा प्रत्येक वर्ष 31 मई को इवेंट मैनेजर डे के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी नागपुर के सेंटर प्वाइंट होटल में आयोजित समारोह में इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री से जुड़े कलाकारों, प्रोफेशनल्स और आयोजकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान विवेक अग्रवाल को उनकी सेवाओं और इवेंट इंडस्ट्री में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी पूरी टीम की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

गौरतलब है कि इवेंट मैनेजर वे लोग होते हैं जो किसी भी शादी, सामाजिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम या कॉर्पोरेट इवेंट को सफल बनाने के लिए पर्दे के पीछे रहकर अथक मेहनत करते हैं। मंच पर भले ही उनका चेहरा दिखाई न दे, लेकिन हर सफल आयोजन के पीछे उनकी योजना, प्रबंधन और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इवेंट मैनेजर डे का उद्देश्य ऐसे सभी इवेंट प्रोफेशनल्स के कार्यों को सम्मान देना और उनकी भूमिका को पहचान दिलाना है। नागपुर में आयोजित यह समारोह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उन सभी इवेंट मैनेजर्स और उनकी टीमों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर भी है।

उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले 300 विद्यार्थियों का हुआ सम्मान..

जगप्रेरणा सिवनी।

कौशल श्री विकास समिति के तत्वाधान में कक्षा 12वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय सिवनी में सम्मानित किया गया इस अवसर पर सिवनी विधानसभा के विधायक दिनेश राय मुख्य

अतिथि थे जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर रवि शंकर नाग ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में टैगोर यूनिवर्सिटी के संचालक एवं अशासकीय शैक्षणिक संगठन के संभागीय अध्यक्ष नरेश राजपूत भजायुमो के शुभम राजपूत अभिषेक दुबे सुनील राय सहित अनेक लोग उपस्थित थे इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं का स्मृति चिन्ह मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

आयोजन के दौरान विधायक दिनेश राय ने कहा कि एक दौर था जब छात्र-छात्राएं 60त्न अंक प्राप्त करते थे तो उन्हें उच्च सम्मान मिलता था लेकिन आज 90 एवं 99त्न तक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं यहां उपस्थित है इन्हें देखकर मुझे कितनी खुशी है इसे मैं व्यक्त नहीं कर पा रहा हूं जीवन में अपने साथ-साथ अपने जिले के लिए अपने राष्ट्र के लिए आप करें और पढ़ाई में इतने मगन ना हो जाए कि बाहर की दुनिया को भूल जाएं, आज के दौर में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है साथ ही मोबाइल का उपयोग भी सीमित करें क्योंकि वर्तमान पीढ़ी को पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार की जरूरत है और यह अपने माता-पिता से ही प्राप्त हो सकता है मैं भी पढ़ाई की लेकिन आप जैसे अंक प्राप्त नहीं कर पाया लेकिन व्यापारियों के साथ बैठता रहा तो व्यापारी हो गया, और नेताओं के साथ बैठते बैठते मैं भी राजनीति में आ गया मैं चाहता हूं कि आप लोग भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

आयोजन के दौरान प्राचार्य डॉक्टर रवि शंकर नाग ने भी सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष बाबा पांडे ने भी इस महाविद्यालय की उपलब्धि को लेकर अपनी बात रखी कार्यक्रम का संचालन बापू राऊत ने किया। इस अवसर पर लगभग 300 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से अपनी ई-केवाईसी पूर्ण कराने की अपील..

जगप्रेरणा सिवनी।

श्रम पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई है कि संबल बोर्ड की चतुर्थ बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संबल योजना अंतर्गत जिन पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की ई-केवाईसी लंबित है, उन्हें निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराया जाना है। संबल योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी से शेष रहे श्रमिकों की जानकारी संबल पोर्टल पर जिला एवं निकाय स्तर के लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त यह जानकारी संबल पोर्टल के सार्वजनिक डोमेन में भी देखी जा सकती है।

श्रम पदाधिकारी ने बताया कि दिनांक 13 जून 2026 के पश्चात जिन पंजीकृत श्रमिकों द्वारा ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण नहीं कराई जाएगी, उनके पंजीयन/संबल कार्ड नियमानुसार संबल पोर्टल पर निरस्त कर दिए जाएंगे। अत: संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत सभी ऐसे श्रमिक, जिनकी ई-केवाईसी लंबित है, वे निर्धारित समय-सीमा 13 जून 2026 तक अपनी ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें, ताकि उन्हें योजना के लाभ प्राप्त होते रहें।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP

डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी

मो.- 8817448039

विकास मोर्चा ने सड़क निर्माण को लेकर जनसुनवाई में दिया आवेदन

आठ मांगों को लेकर कार्रवाई की मांग की..

जगप्रेरणा सिवनी।

सिवनी से बालाघाट मार्ग पर स्थित बरघाट में पूर्व नगर पालिका परिषद द्वारा मार्ग चौडी करण को लेकर पहल की गई थी और वर्तमान में डीपीआर में संशोधन कर 6 फुट डिवाइड 9 ,9, फुट फुटपाथ, 5-5 फुट नाली एवं 28, 28 फुट चौड़ी सड़क निर्माण कराए जाने तथा सड़क क्षेत्र को पूर्णता अतिक्रमण मुक्त

कराए जाने की मांग को लेकर नगर पालिका के पार्षद संगीता रंजीत वासनिक किरण नीरज सूर्यवंशी सुधर्म सिंह कंगाली रुचिका राकेश बसनिक साक्षी दलसिंह बिसेन जितेंद्र सिंगर बाबर खान ने कलेक्टर को जनसुनवाई में आवेदन दिया है।

अपनी आवेदन में कहा है कि इस मार्ग की दोनों और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंक स्कूल एवं अस्पताल एवं शासकीय कार्यालय तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थित है इसकी अतिरिक्त बरघाट तहसील की लगभग 90 ग्राम पंचायत एवं 140 ग्रामों के हजारों नागरिक अपनी सास की प्रशासनिक शैक्षणिक चिकित्सा की एवं व्यवसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिदिन बरघाट नगर आते जाते हैं तथा इसी मुख्य मार्ग का उपयोग करते हैं फल स्वरुप इस सड़क पर दो पहिया चौपाइयां बस ट्रक डंपर तथा अन्य भारी एवं हल्के वाहनों का अत्यधिक दबाव बना रहता है बरघाट नगर के निरंतर विस्तार बढ़ती जनसंख्या एवं वाहनों की संख्या में तीव्र वृद्धि के कारण यह दबाव हर वर्ष बढ़ता जा रहा है बढ़ती यातायात के परिणाम स्वरूप दुर्घटना की संभावना बनी रहती है अतः अनेक वर्षों से डिवाइडर युक्त चौड़ी सड़क की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है विकास मोर्चा बरघाट ने इस जन्म भावनाओं को निरंतर स्वर प्रदान किया है तथा नगर के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न जनहित के मुद्दों पर प्रभावशाली भूमिका निभाई है बरघाट नगर के आधारभूत विकास नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा जैन समस्याओं के समाधान हेतु नगर की जनता व्यापक रूप से स्वीकार करती है।

विकास मोर्चे की मांग है की मुख्य डिवाइडर की चौड़ाई न्यूनतम 6 फुट रखी जाए डिवाइडर में आकर्षण एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयुक्त सुंदर पौधों का रोपण कर उसका सौंदरीकरण किया जाए पैदल चलने वाले पति को को दुर्घटना से बचने के लिए सड़क के दोनों और नॉन फीट चौड़े सुंदर फुटपाथ निर्मित किए जाएं।

वर्षा जनित जल एवं अवशिष्ट जल की निकासी के लिए दोनों और पांच-पांच फीट चौड़ी सुदृढ़ नालियों का निर्माण किया जाए डिवाइडर के दोनों और 2828 फुट चौड़ी गुणवत्ता युक्त सड़क निर्मित की जाए उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप सड़क और क्षेत्र को पूर्णतया अतिक्रमण मुक्त कराया जाए सड़क निर्माण योजना तैयार करते समय बरघाट नगर की आगामी 50 वर्षों की यातायात एवं विकास आवश्यकताओं को आधार बनाया जाए उक्त मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को आवेदन दिया गया है।

जग प्रेरणा

शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

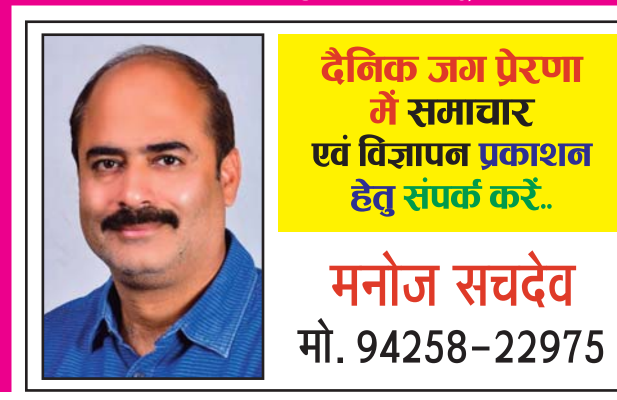

कलेक्टर मीना ने पंजीयन अधिकारियों एवं एसडीएम के साथ बैठक कर अवैध कालोनियों के प्रतिबंध पर की चर्चा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 03 जून को पंजीयन विभाग के जिला पंजीयक, उप पंजीयक एवं सभी एसडीएम की बैठक लेकर जिले में अवैध कालोनियों के पंजीयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में जिला पंजीयक श्रीमती कीर्ति असाटी, बालाघाट एसडीएम श्री गोपाल सोनी, तहसीलदार श्री सुनील वर्मा उपस्थित थे। वारासिवनी, बैहर, कटंगी, लांजी, किरनापुर एवं परसवाड़ा के एसडीएम वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से बैठक में उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि किसी भी कॉलोनाइजर को नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका अधिनियम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत राज अधिनियम का पालन करना होगा। नगरीय आवास एवं विकास विभाग की अनुमति के बाद ही कालोनी का पंजीयन कराया जायेगा। अवैध कालोनी का पंजीयन नहीं किया जायेगा।

बैठक में राजस्व एवं पंजीयन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन कॉलोनाइजरों की कॉलोनियां अवैध श्रेणी में हैं और वे उन्हें वैध कराना चाहते हैं, तो वे निर्धारित विधिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करें। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही संबंधित कॉलोनियों पर लगाए गए प्रतिबंध हटाए जाने पर विचार किया जाएगा। शासकीय पट्टे वाली जमीन का विक्रय नहीं होगा और इसका पंजीयन भी नहीं किया जायेगा। बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए गये कि वे अपने-अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की वर्तमान स्थिति से प्रशासन को अवगत कराएं।

साथ ही संबंधित भूमि के खसरा अभिलेखों के कैफ्यित कॉलम क्रमांक-12 में आवश्यक प्रविष्टियां दर्ज करना सुनिश्चित करें, ताकि अवैध कॉलोनियों से संबंधित जानकारी राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से दर्ज रहे। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नियमों के अनुरूप कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनियों के मामलों में पारदर्शिता और विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

आंवलाझरी पेट्रोल पंप पर मालिक के साथ धक्का मुक्की पर कर्मचारियों ने की दनादन मारपीट..

पेट्रोल पंप पर घटित मामले में दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के भरवेली थाना अंतर्गत आंवलाझरी में वैनगंगा पेट्रोल पंप पर दिनांक 02 जून को राज 11.30 बजे पेट्रोल भराने के लिये पहुंचे डेकोरेशन संचालक चौबेलाल बर्वे एवं बर्तन दुकान संचालक नवीन कसार के साथ पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने जमकर मारपीट कर दी, जिसके बाद दोनों पक्षों

की ओर से मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चौबेलाल बर्वे एवं नवीन कसार स्कूटी से पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे, इसी दौरान फुलटैंक पेट्रोल कराने के बाद मशीन से निकली पर्ची को नवीन कसार ने मानने से इनकार कर दिया, और कहा कि स्कूटी में इतना पेट्रोल आ नहीं सकता। चूंकि उस वक्त पेट्रोल पंप संचालक अशोक बजाज उपस्थित थे, तो उन्होंने काफी देर तक बर्वे एवं कसार को समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बन पाई। इसी बीच पेट्रोल पंप कर्मचारी के पास जाकर चौबेलाल बर्वे ने पर्ची के संबंध में कुछ कहने का प्रयास किया, तभी पेट्रोल पंप संचालक अशोक बजाज के साथ नवीन कसार ने धक्का मुक्की कर दी, जिसके बाद बात बिगड़ गई, और आक्रोश में आकर तीन चार कर्मचारियों ने मिलकर चौबेलाल बर्वे एवं नवीन कसार की दनादन पिटाई कर दी। गौरतलब है कि इस पुरे परिदृश्य की सीसीटीवी वीडियो फुटेज भी वायरल हुआ है, वहीं घटनाक्रम के बाद चौबेलाल बर्वे एवं नवीन कसार की ओर से पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है, जबकि वहीं पेट्रोल पंप संचालक की ओर से भी चौबेलाल बर्वे एवं नवीन कसार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। भरवेली पुलिस द्वारा इस मामले में जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इस मामले में मारपीट में चौबेलाल बर्वे को चेहरे पर अधिक चोटें आई है, तथा समाचार लिखे जाने तक चौबेलाल बर्वे से संपर्क करने पर उनका मोबाईल नहीं लगने लगा।

शराब पीकर आए थे बर्वे और कसार - अशोक बजाज

अशोक बजाज ने जगप्रेरणा को बताया कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भराने के लिये चौबेलाल बर्वे और नवीन कसार पहुंचे थे, उन्होंने बिल अधिक होने की बात कही, तब उनसे कहा गया कि बिल मशीन से निकला है, उन्होंने कहा कि स्कूटी में इतना पेट्रोल नहीं आ सकता, जिस पर उनसे कहा गया कि गाड़ी का पेट्रोल निकलवा लेते हैं, और फिर चैक कर लेते हैं, जिस पर उन्होंने बात नहीं मानी। श्री बजाज ने कहा कि दोनों ही शराब पीकर आए थे, और बहस करने के साथ ही लगातार गाली गलौच कर रहे थे। और हद तब हो गई जब पर्ची को लेकर बहस करते हुए चौबेलाल बर्वे ने कर्मचारी की कालर पकड़ ली, जबकि वहीं मैं जैसे ही आगे बढ़ा, नवीन कसार ने मुझे धक्का दे डाला, जिस पर अचानक कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ गया, और बहुत देर से सब्र रखने वाले कर्मचारियों को मुझे बचाने के लिये मारपीट करना पड़ा।

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने किया वारासिवनी और लालबर्रा की पंचायतों का औचक निरीक्षण..

पंचायत अमले में मचा हड़कंप, पंचायत अभिलेखो एवं विकास कार्यों की समीक्षा कर दी चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार अरज 03 जून को बालाघाट जिले के वारासिवनी जनपद पंचायत अतर्गत ग्राम पंचायत मेंहदीवाड़ा तथा लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत बड़गांव में औचक निरीक्षण के लिये पहुंचे। जैसे ही जिला पंचायत अध्यक्ष निरीक्षण पर पहुंचे तो पंचायतों में हड़कंप मच गया।

निरीक्षण के लिये पहुंचे सम्राट सिंह सरसवार ने दोनों ही पंचायतों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया, तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से लंबित विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों में आ रही बाधाओं की जानकारी जिला पंचायत अध्यक्ष को दी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए श्री सरसवार ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण नियमानुसार एवं समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ना चाहिए। श्री सरसवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक देरी या लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्रामीणों के हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर जिला पंचायत पूरी गंभीरता के साथ कार्य करेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष के इस औचक निरीक्षण से पंचायत अमले में हड़कंप की स्थिति रही, वहीं ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि अब उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष के इस सख्त और जनहितैषी रवैये की ग्रामीणों ने सराहना की।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि इसी प्रकार नियमित निरीक्षण होते रहे तो पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम जनता की समस्याओं का तेजी से समाधान होगा।

पंवार समाज बालाघाट ने दी पद्मभूषण स्व. श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार को श्रद्धांजलि, उनक अमूल्य योगदान को किया याद

जगप्रेरणा बालाघाट।

पंवार समाज बालाघाट द्वारा पद्मभूषण स्व. श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समाजजनों ने उनके समाज, शिक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में दिए

गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि समाजजनों की सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि स्व. श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार को मरणोपरांत ÷पंवार समाज रत्न सम्मान÷ से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व, समाजसेवा एवं प्रेरणादायी कार्यों के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक होगा।

समाज के वरिष्ठजनों एवं उपस्थित सदस्यों ने कहा कि स्व. हेमेन्द्र सिंह पंवार का जीवन समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा तथा उनके द्वारा स्थापित आदर्श आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी समाजजनों ने उनकी पावन स्मृति को नमन करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

डिब्बों में पेट्रोल-डीजल बिक्री पर रोक का विरोध, पेट्रोल पंप संचालकों ने ली बैठक

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला प्रशासन द्वारा डिब्बों में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक संबंधी आदेश के बाद जिले के पेट्रोल पंप संचालकों में असंतोष देखने को मिल रहा है। इसी मुद्दे को लेकर 1 जून 2026 को बालाघाट स्थित मल्लिकार्जुन होटल में पेट्रोल पंप संचालकों की एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित संचालकों ने चर्चा करते हुए कहा कि डिब्बों में ईंधन नहीं दिए जाने से किसानों, कृषि कार्यों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संचालकों ने प्रशासन को इस विषय की व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराने का निर्णय लिया। बैठक में सर्वसम्मति से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं और सुझावों से अवगत कराने का फैसला लिया गया। साथ ही जिले में पेट्रोल पंप संचालकों के हितों की रक्षा और समन्वय के लिए एक एसोसिएशन के गठन पर भी सहमति बनी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 जून 2026 को दोपहर 12 बजे पेट्रोल पंप संचालकों की पुनः बैठक आयोजित कर औपचारिक रूप से एसोसिएशन का गठन किया जाएगा तथा विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

बैठक में चौहान पेट्रोलियम, मदन फिलिंग स्टेशन, हीरा ऑयल और मायरा फ्यूल्स सहित अन्य पेट्रोल पंप संचालकों की उपस्थिति रही। उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन से किसानों और आम उपभोक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने की मांग की है। बैठक में पेट्रोल पंप संचालक नरडे, अशोक बजाज, अशोक मंडलेकर, गुलाब पटले, विकास हजारी भी उपस्थित थे।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391

जग प्रेरणा

लालबर्रा / बैहर / परसवाडा

● कनकी ● बेहरई ● खमरिया ● मोहगांव धपेरा ● जाम ● कंजई ● नेवरगांव ● उकवा ● मलाजखंड ● लामटा ● चांगोटोला ● समनापुर

लामता तहसील के पटवारियों की मनमानी और प्रशासनिक मौन, अल्के से नदारद रहने के कारण भू-माफिया का बोलबाला

जगप्रेरणा लामता।

मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट और सख्त निर्देशों के बावजूद लामता तहसील में पदस्थ पटवारियों ने शासन की मंशा को ताक पर रख दिया है। शासन ने प्रदेश के सभी पटवारियों को निर्देशित किया था कि वे अपने आवंटित हलके (क्षेत्र) की पंचायत में अनिवार्य रूप से निवास करें,

ताकि ग्रामीणों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए भटकना न पड़े और वे सीधे जनता की सेवा कर सकें। लेकिन, लामता तहसील में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहाँ अधिकांश पटवारी अपने हलके से नदारद हैं, जिससे न केवल आमजन परेशान हैं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था भी चरमरा गई है।

सरकार के आदेशों का मजाक, मुख्यालय से नदारद पटवारी

मिली जानकारी के अनुसार, लामता तहसील के अंतर्गत आने वाली पंचायतों में पदस्थ कई पटवारी अपने कार्यक्षेत्र में रहने के बजाय लामता मुख्यालय या जिला मुख्यालयों से आवाजाही कर रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि जब उन्हें पटवारी की तत्काल आवश्यकता होती है, तो वे क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होते। इस कारण किसान परेशान हैं, जाति-निवास और आय प्रमाण पत्र सहित भूमि संबंधित छोटे-छोटे कार्यों के लिए उन्हें हफ्तों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

पटवारियों की अनुपस्थिति में पनप रहा भू-माफिया का आतंक

पटवारियों के अपने हलके में नहीं रहने का सबसे घातक परिणाम 'भू-माफिया' के बढ़ते हौसलों के रूप में सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारियों की गैर-मौजूदगी का फायदा उठाकर भू-माफिया सक्रिय हो गए हैं। गाँवों में बिना किसी डर के जेसीबी मशीनें लगाकर सरकारी जमीनों, चरागाहों और सार्वजनिक रास्तों पर अवैध अतिक्रमण और निर्माण कार्य किया जा रहा है।

सांठगांठ और मिलीभगत का काला खेल

क्षेत्र में चर्चा का विषय यह है कि यह अवैध काम बिना किसी 'अंदरूनी मिलीभगत' के संभव नहीं है। स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि कुछ पटवारियों की भू-माफियाओं के साथ गहरी 'सेटिंग' है। इसी सेटिंग के चलते पटवारी जानबूझकर अपने क्षेत्र में भ्रमण नहीं करते ताकि भू-माफिया बेखौफहोकर सरकारी जमीनों को खुर्द-बुर्द कर सकें। प्रशासन के साथ खिलवाड़ करते हुए कुछ पटवारी इन अवैध कब्जों की रिपोर्ट तक दर्ज नहीं करते, जिससे सरकारी संपत्तियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे इस संगठित अवैध कारोबार ने स्थानीय लोगों के मन में प्रशासन की कार्यप्रणाली के प्रति गहरा अविश्वास पैदा कर दिया है।

ग्रामीणों में आक्रोश - ठोस कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने लामता तहसीलदार सहित उच्च अधिकारियों को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पटवारियों के मुख्यालय में रहने की अनिवार्यता सुनिश्चित नहीं की गई और भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो ग्रामीण आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें :-

अनिवार्य निवास - सभी पटवारियों का अपने हलके में रहना सुनिश्चित हो और इसकी रेंडम जांच की जाए। अवैध कब्जों की जांच - वर्तमान में चल रहे अवैध निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच हो और जेसीबी लगाकर जमीन हड़पने वालों पर बुलडोजर कार्रवाई की जाए। जवाबदेही तय हो - जिन पटवारियों की भू-माफियाओं से मिलीभगत के साक्ष्य मिलें, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच की जाए।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल?

आखिर क्यों प्रशासन इन पटवारियों के प्रति नरम रुख अपनाए हुए है? क्या भू-माफिया और पटवारियों का गठजोड़ इतना मजबूत है कि अधिकारी भी कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं? यह बड़ा सवाल लामता की जनता पूछ रही है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इस पर संज्ञान लेगा या फिर यह मामला भी फाइलों में ही दफन हो जाएगा।

कम वसूली पर सीईओ सख्त, सात समितियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में कालातीत एवं अकालातीत ऋणों की वसूली को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे वसूली अभियान के तहत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिनव सिंह बघेल ने मंगलवार 3 जून को डोंगरमाली शाखा अंतर्गत विभिन्न समितियों का औचक निरीक्षण कर वसूली कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री बघेल सबसे पहले पैक्स समिति लड़सड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने ऋण वसूली की प्रगति का अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान समिति में कार्यरत दो कर्मचारियों के उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर नहीं पाए जाने पर उन्होंने दोनों कर्मचारियों को अवैतनिक किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पीओएस मशीन के माध्यम से किए जा रहे खाद वितरण का मिलान किया गया तथा खाद भंडार का भौतिक सत्यापन भी किया गया। जांच में खाद का स्टॉक सही पाया गया। सीईओ ने सदस्यता अभियान की भी समीक्षा करते हुए नए सदस्यों को नियमानुसार सभी सुविधाएं और लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने डोंगरमाली शाखा में पहुंचकर शाखा अंतर्गत आने वाली विभिन्न समितियों की वसूली प्रगति का गहन परीक्षण किया। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि पैक्स समिति नवेगांव, आरंभा, भेंडारा, दीनी, बेनी, लड़सड़ा एवं मेंडकी में गत वर्ष की तुलना में ऋण वसूली की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए श्री बघेल ने संबंधित समितियों को कारण बताओ स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उपस्थित कर्मचारियों को कम वसूली पर कड़ी फटकार लगाते हुए वसूली कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं दूसरी ओर डोंगरमाली समिति द्वारा लक्ष्य के अनुरूप वसूली किए जाने पर सीईओ ने समिति के कर्मचारियों की सराहना की और बेहतर कार्य के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कर्मचारियों को वसूली अभियान में और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने की सलाह दी। निरीक्षण के क्रम में श्री बघेल ने खैरलांजी एवं रामपायली शाखाओं का भी दौरा किया। यहां उन्होंने सदस्यता अभियान, कालातीत एवं अकालातीत ऋण वसूली, पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मत्स्य पालन केसीसी, मध्यमकालीन ऋण, ईआरपी एवं सीबीएस सहित विभिन्न बैंकिंग गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने शाखा प्रबंधकों एवं समिति कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान समय ऋण वसूली के लिए महत्वपूर्ण है और सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। सीईओ ने कहा कि यदि समय-सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं हुई तो संबंधित समितियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने समितियों में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के भी निर्देश दिए तथा निरीक्षण के दौरान उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान शाखा प्रबंधक आई.आर. भगत (रामपायली), मुकेश ठाकरे (खैरलांजी), जयकुमार नंदनवार (डोंगरमाली), एस.डी. अंकर, विनोद बिसेन सहित संबंधित समितियों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

10 दिनों से काम बंद पर आशा कार्यकर्ता, भुगतान में देरी को लेकर बिरसा ब्लॉक में बढ़ा आक्रोश..

जगप्रेरणा बिरसा।

बिरसा तहसील अंतर्गत आशा कार्यकर्ता पिछले 10 दिनों से काम बंद अपनी मांगों पर संघर्ष कर रही है हैं। दिनांक 22 मई 2026 से शुरू हुए इस काम बंद आंदोलन के चलते बिरसा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं से स्वयं को अलग रखा है।

आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनके लंबित भुगतान और समय पर राशि नहीं मिलने की समस्या का अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

आशा कार्यकर्ता संघ बिरसा ब्लॉक की अध्यक्ष श्रीमती रामबती उइके एवं सचिव श्रीमती सोमलता राहंगडाले ने बताया कि संगठन द्वारा पूर्व में ही काम बंद करने संबंधी ज्ञापन खण्ड अधिकारी के द्वारा शासन-प्रशासन को सौंपा गया था, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद भुगतान प्रक्रिया में सुधार नहीं हुआ है, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है।

बैठक में रखी गईं समस्याएं

दिनांक 01 जून 2026 को बिरसा में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान बिरसा ब्लॉक के खंड अधिकारी से चर्चा कर भुगतान संबंधी समस्याओं को उठाया गया। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक उनका संपूर्ण लंबित भुगतान नहीं किया जाता, तब तक वे अपने कार्यों पर वापस नहीं लौटेंगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

आंदोलनरत आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से अभी तक उनके पक्ष में कोई स्पष्ट आदेश या समाधान सामने नहीं आया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आशा कार्यकर्ता लगातार काम बंद पर हैं, तो क्या स्वास्थ्य विभाग बिना उनके सहयोग के सुचारू रूप से कार्य कर पा रहा है? क्या विभाग को जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की आवश्यकता नहीं है?

पूर्व में बीएमओ ने दी थी यह जानकारी

इस विषय में पूर्व में बिरसा तहसील के बीएमओ डॉ. सुनील सिंह से जानकारी ली गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में बीएमओ कार्यालय का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं होता है। उनके अनुसार प्रत्येक माह कार्यों का विवरण संबंधित अकाउंटेंट द्वारा जिला मुख्यालय बालाघाट भेजा जाता है। इसके बाद फंड जारी होने पर ट्रेजरी के माध्यम से राशि सीधे आशा कार्यकर्ताओं के बैंक खातों में जमा कर दी जाती है।

समाधान की प्रतीक्षा

आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अनेक योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का कार्य करती हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें शासन-प्रशासन की आगामी कार्रवाई और आंदोलन के समाधान पर टिकी हुई हैं।

खंड अधिकारी और अकाउंटेंट पर लगाए आरोप

बिरसा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने खंड अधिकारी एवं अकाउंटेंट पर उनके कार्यों के लिए गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों की अनदेखी लापरवाही के कारण समय पर भुगतान नहीं हो पाता है। कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा आवश्यक होने पर उन्हें बिरसा तहसील से हटाया जाए।

आदिवासी समाज की आवाज़ बुलंद करना हमारी प्राथमिकता: विधायक मधु भगत..

जगप्रेरणा बालाघाट।

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भगत ने कहा है कि देश का आदिवासी समाज आज अपने अधिकारों, अपनी पहचान और अपनी सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। वर्षों से आदिवासी समुदाय अपने संवैधानिक अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक सम्मान की रक्षा के लिए आवाज़ उठाता रहा है, लेकिन केंद्र की वर्तमान सरकार केवल बड़े-बड़े वादे करने तक सीमित दिखाई देती है। वास्तविकता यह है कि जमीनी स्तर पर आदिवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है और उनकी आवाज़ को लगातार दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक मधु भगत ने कहा कि आदिवासी समाज देश की संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक संसाधनों का वास्तविक संरक्षक रहा है। इसके बावजूद आज भी आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। सरकारें विकास के दावे तो करती हैं, लेकिन आदिवासी अंचलों की वास्तविक स्थिति इन दावों की पोल खोल देती है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को केवल चुनावी समय पर याद किया जाता है, जबकि उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए जाते। वनाधिकार कानून, पेसा एक्ट और अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन आज भी चुनौती बना हुआ है। यदि सरकार वास्तव में आदिवासियों के हित में काम करना चाहती है, तो उसे इन कानूनों को पूरी मजबूती के साथ लागू करना होगा।

मधु भगत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आदिवासी समाज के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है। पार्टी ने समय-समय पर ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे आदिवासी वर्ग को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिली है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बने और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ को मजबूत करे।

उन्होंने कहा कि आदिवासी युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि युवा सशक्त होंगे तो समाज भी मजबूत होगा। सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार सृजन की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

विधायक मधु भगत ने विश्वास व्यक्त किया कि आदिवासी समाज अपनी एकता, जागरूकता और संघर्ष के बल पर अपने अधिकारों की रक्षा करने में सफल होगा। उन्होंने कहा कि वे सदैव आदिवासी समाज की आवाज़ बनकर उनके हितों के लिए संघर्ष करते रहेंगे और क्षेत्र के विकास, सामाजिक न्याय तथा आदिवासी अधिकारों की लड़ाई को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।

उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील करते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय की समस्याओं और अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनें तथा उनके सम्मान और विकास के लिए सामूहिक प्रयास करें। आदिवासी समाज का सशक्तिकरण ही प्रदेश और देश के समग्र विकास का आधार बन सकता है।

अवैध रूप से धान बीज विक्रय करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

बिना लायसेंस के सानू पटले और पलक बिसेन द्वारा गांव में घूम-घूम कर बेचा जा रहा था धान बीज

जगप्रेरणा बैहर।

विकासखंड बैहर के विभिन्न ग्रामों में बिना वैध अनुज्ञप्ति के धान बीजों का अवैध विक्रय किए जाने के मामले में कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाना बैहर को पत्र प्रेषित किया है।

कृषि विभाग को शिकायत प्राप्त हुई थी कि दिनांक 31 मई 2026 को ग्राम गोहारा तथा 01 जून 2026 को ग्राम भंडेरी के काशीटोला एवं ग्राम पोला-पटपरी में श्री कृषक साथी एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, बैहर के प्रोपराइटर श्री सानू पटले एवं उनके प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के धान बीज वाहन क्रमांक रूक्क50त्र6496 के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को बेचे जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर कृषि विभाग बैहर के अनुविभागीय कृषि अधिकारी (एसडीओ) श्री एस.आर. धुर्वे द्वारा 02 जून को ग्राम काशीटोला एवं पोला-पटपरी तथा 03 जून को ग्राम गोहारा पहुंचकर किसानों के घरों में वितरित बीजों का सत्यापन कराया गया। जांच के दौरान पंचनामा तैयार कर तथ्यों का संकलन किया गया।

प्राथमिक जांच में पाया गया कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के धान बीज, जिनमें केशव खनक सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (गोंदिया, महाराष्ट्र), जयकुंड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (वडोदरा, गुजरात), जीनोमिक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (सिकंदराबाद, तेलंगाना) तथा सुमनजली सीड्स एंड फार्मर्स (हनमकोंडा, तेलंगाना) के बीज शामिल हैं, बिना वैध बीज अनुज्ञप्ति के क्षेत्र में विक्रय किए जा रहे थे।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार वाहन क्रमांक रूक्क50त्र6496 के माध्यम से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के किसानों को अवैधानिक रूप से बीज बेचे जाने की पुष्टि हुई है। कृषि विभाग का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां किसानों के साथ धोखाधड़ी की श्रेणी में आती हैं तथा इससे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 एवं 7, बीज अधिनियम 1966 तथा बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 की धारा 3 का उल्लंघन होता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ कृषि श्री एस.आर. धुर्वे ने श्री सानू पटले निवासी भीकेवाड़ा, तहसील परसवाड़ा, श्री पलक बिसेन निवासी भंडेरी, तहसील बैहर तथा वाहन मालिक श्री कुंजेलाल/नुरेलाल हिरवाने निवासी भोरवाही लिंगा, विकासखंड परसवाड़ा के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई एवं एफआईआर दर्ज करने के लिए थाना प्रभारी बैहर को पत्र भेजा है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही प्रमाणित बीज खरीदें तथा किसी भी संदिग्ध विक्रय गतिविधि की सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें।

जिले के सभी विद्यालयों में 1 से 30 जून तक मनाया जाएगा 'मेगा अपार दिवस'

जगप्रेरणा बालाघाट।

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 1 जून से 30 जून 2026 तक ÷मेगा अपार दिवस÷ का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष अभियान प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाना और उन्हें डिजिटल शैक्षणिक पहचान से जोडऩा है।

जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि इस कार्यक्रम में ऐसे विद्यार्थियों के अभिभावकों को विद्यालयों में आमंत्रित किया जाएगा, जिनकी अपार आईडी अभी तक नहीं बनी है। अभियान के तहत विशेष रूप से दो श्रेणियों के विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, पहले वे विद्यार्थी जिनके पास आधार कार्ड उपलब्ध है लेकिन्⁄क्क्र आईडी नहीं बनी है, तथा दूसरे वे विद्यार्थी जिनके पास आधार कार्ड भी उपलब्ध नहीं है।

÷मेगा अपार दिवस÷ के सफल संचालन के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों, संकुल प्राचार्यों, जनशिक्षकों तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, प्रधान पाठक एवं प्रभारी प्रधान पाठकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शिविरों के माध्यम से अभिभावकों की उपस्थिति में विद्यार्थियों का नामांकन एवं अपार आईडी निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी।

जिला शिक्षा केन्द्र ने सभी संबंधित अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया है कि अभियान को गंभीरता से संचालित करते हुए अधिकतम विद्यार्थियों को इसका लाभ दिलाया जाए, ताकि प्रत्येक छात्र की शैक्षणिक पहचान डिजिटल रूप से सुरक्षित और एकीकृत की जा सके। यह अभियान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की डिजिटल शिक्षा प्रणाली से जोडऩे की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है तथा सभी विद्यालयों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोने, चांदी व हीरे जड़ित
आभूषणों के निर्माता व विक्रेता
शुद्धता और विश्वास की अनूठी परंपरा
गणपति ज्वेलर्स
महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट मो. 9893129013

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

नहलेसरा में सनसनी: खेत के मोटर पंप घर में बंधे दो बैलों की संदिग्ध मौत, जहर देने की आशंका से किसानों में भारी आक्रोश

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी-सिवनी रोड पर स्थित ग्राम नहलेसरा में एक बेहद हृदयविदारक और संदेहास्पद मामला सामने आया है। यहाँ एक किसान के दो बैलों की अचानक तड़प-तड़प कर मौत हो गई।

घटना के बाद से पूरे ग्रामीण क्षेत्र और कृषक समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित किसान ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात असामाजिक तत्व ने रंजिशवश या जानबूझकर बैलों को चारे के साथ जहरीला पदार्थ खिलाया है, जिससे उनकी जान गई है। इस घटना से पीड़ित परिवार को लगभग एक लाख रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

पानी पीते ही बैलों ने तोड़ा दमप्राप्त जानकारी के अनुसार, नहलेसरा निवासी कृषक राजकुमार आचरे रोजाना की तरह कृषि कार्य में व्यस्त थे। उन्होंने अपने खेत पर बने मोटर पंप घर (कोटला) में अपने दोनों बैलों को सुरक्षित बांध रखा था। सुबह के समय जब कृषक राजकुमार अपने बैलों को पानी पिलाने के लिए उनके पास पहुंचे, तो पानी पीते ही दोनों बैलों के शरीर में अचानक तेज ऐंठन शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों बैलों ने जोर का झटका दिया और मौके पर ही अपने प्राण त्याग दिए। बैलों की इस तरह अचानक हुई तड़पन और मौत को देखकर किसान स्तब्ध रह गया।परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश, रंजिश की आशंकाघटना की खबर जंगल में आग की तरह पूरे नहलेसरा ग्राम और आसपास के इलाकों में फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय किसान राजकुमार के खेत पर जमा हो गए। मूक पशुओं की इस तरह संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष देखा जा रहा है। किसान राजकुमार आचरे का कहना है कि दोनों बैल पूरी तरह स्वस्थ थे और उन्हें कोई बीमारी नहीं थी। उन्होंने सीधे तौर पर आशंका जताई है कि किसी ने उनके मूक पशुओं को खाने के साथ कोई घातक जहर दे दिया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द से जल्द बेनकाब किया जाए, क्योंकि खेती के सीजन में बैलों की मौत से किसान की कमर टूट गई है। पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच शुरू घटना की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित कृषक राजकुमार आचरे तत्काल कटंगी पुलिस थाने पहुंचे और मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। कटंगी पुलिस ने शिकायत के आधार पर पशु क्रुरता और संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पशु चिकित्सक की टीम को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने मृत बैलों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों (विषाक्तता या अन्य कोई वजह) का सटीक खुलासा हो सकेगा।

पुलिस हर पहलू से मामले की बारीकी से जांच कर रही है।किसान को एक लाख की आर्थिक चपतइस दुखद हादसे ने पीड़ित किसान राजकुमार को पूरी तरह तोड़कर रख दिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खेती-किसानी में बैलों की भूमिका रीढ़ की हड्डी जैसी होती है। अचानक हुए इस नुकसान से किसान के सामने अगली फसल की बुआई और खेती के कामों को पूरा करने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित गरीब किसान को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

महाराष्ट्र तस्करी के लिए ले जाई जा रही सागौन की इमारती लकड़ी जब्त, चार आरोपी गिरफ्तार..

गौरव अग्रवाल जगप्रेरणा महकेपार।

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र सीमा से लगे कटंगी के पठार वन क्षेत्र में सक्रिय सागौन तस्करों के विरुद्ध वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से परिवहन की जा रही सागौन की इमारती लकड़ी

जब्त की है। गोरेघाट-बड़पानी मार्ग पर की गई इस कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग की इस कार्रवाई से इसे पठार क्षेत्र में लंबे समय से संचालित अवैध लकड़ी तस्करी नेटवर्क पर बड़ी चोट के रूप में देखा जा रहा है, जिससे वन माफिआओं में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

वन अमला रात्रिकालीन गश्त कर रहा था । इसी दौरान गोरेघाट-बड़पानी मार्ग पर एक संदिग्ध ट्रैक्टर वाहन को रोककर जांच की गई। जांच में वाहन से अवैध रूप से परिवहन की जा रही सागौन प्रजाति की 17 नग इमारती लकड़ी बरामद हुई। वन विभाग द्वारा किए गए तकनीकी मापन में जब्त वनोपज का कुल आयतन 0.987 घन मीटर पाया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 46 हजार रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर एवं एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध क्रमांक 119/3/24 के तहत वासुदेव पिता मूलचंद (30 वर्ष), महेश पिता जगन (38 वर्ष), अरविंद पिता प्यारेलाल (29 वर्ष) एवं दिनेश पिता फगणलाल (36 वर्ष), निवासी महकेपार के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। स्थानीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी का पठार क्षेत्र लंबे समय से सागौन तस्करों की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। घने जंगलों से बहुमूल्य सागौन वृक्षों की अवैध कटाई कर उन्हें ग्रामीण मार्गों, वन पगडंडियों और सीमावर्ती संपर्क मार्गो के जरिए महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाया जाता है।

जानकारों का मानना है कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमाओं से लगे वन क्षेत्रों में सक्रिय तस्कर गिरोह स्थानीय संसाधनों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर इमारती लकड़ी की तस्करी को अंजाम देते हैं। गोरेघाट-बड़पानी मार्ग भी ऐसे संवेदनशील मार्गों में शामिल है, जहां से पूर्व में भी अवैध वनोपज परिवहन की सूचनाएं मिलती रही हैं।

वन संपदा और पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती..

सागौन की लकड़ी देश की सर्वाधिक मूल्यवान इमारती लकड़ियों में गिनी जाती है। इसकी मांग फर्नीचर एवं औद्योगिक उपयोगों में अधिक होने के कारण माफिआओं की नजर हमेशा इस प्रजाति पर रहती है। जानकारों के अनुसार सागौन की अवैध कटाई से केवल शासन को आर्थिक नुकसान ही नहीं होता, बल्कि वन क्षेत्र की जैव विविधता, मृदा संरक्षण क्षमता और पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वन माफियाओं पर बढ़ेगा दबाव..

वन विभाग के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कटंगी के पठार क्षेत्र एवं महाराष्ट्र सीमा से लगे संवेदनशील वन क्षेत्रों में विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। रात्रिकालीन गश्त, मुखबिर तंत्र की सक्रियता और सीमावर्ती मार्गों पर बढ़ी निगरानी के कारण आने वाले समय में और भी बड़ी कार्रवाइयों की संभावना है। स्थानीय ग्रामीणजनों ने भी वन विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे वन संरक्षण और अवैध तस्करी पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। विभाग की इस सख्ती से स्पष्ट संकेत मिला है कि वन संपदा की अवैध कटाई और महाराष्ट्र की ओर की जा रही तस्करी के विरुद्ध अब कठोर कार्रवाई का दौर जारी रहेगा।

रामपायली -करोड़ों की लागत से बना पुल, लेकिन अंधेरे में डूबी सुविधा: क्या विकास अधूरा है?

जगप्रेरणा रामपायली।

बिठली पुल पर प्रकाश व्यवस्था का अभाव बना चिंता का विषय, रात में शराबियों का अड्डा बनने का आरोप, विकास की नई तस्वीर के रूप में प्रस्तुत रामपायली

और बिठली के बीच चंदन नदी पर निर्मित करोड़ों रुपये की लागत वाला पुल क्षेत्र के लिए आवागमन की दृष्टि से एक बड़ी सौगात साबित हुआ है। इस पुल के निर्माण से न केवल रामपायली और बिठली के बीच की दूरी और कठिनाइयां कम हुई हैं, बल्कि आसपास के सैकड़ों गांवों के लोगों को भी आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त हुई है। लेकिन विकास की इस महत्वपूर्ण परियोजना पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है–क्या बिना मूलभूत सुविधाओं के विकास को पूर्ण माना जा सकता है?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुल निर्माण तो हो गया, लेकिन आज तक यहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं की गई है। शाम ढलते ही पूरा पुल और आसपास का क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है, जिससे राहगीरों, महिलाओं, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

अंधेरे का फायदा उठा रहे असामाजिक तत्व..

क्षेत्रवासियों के अनुसार रात के समय पुल पर प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण यह स्थान असामाजिक तत्वों और शराबियों का नया ठिकाना बनता जा रहा है। इससे आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। कई लोगों का मानना है कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में यह स्थिति और गंभीर रूप ले सकती है।

करोड़ों की परियोजना, लेकिन अधूरी सुविधाएं..

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी पुल या सड़क परियोजना की सफलता केवल उसके निर्माण से नहीं, बल्कि उससे जुड़ी सहायक सुविधाओं से भी तय होती है। सड़क सुरक्षा मानकों के अनुसार पुलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा संकेतक और निगरानी व्यवस्था होना आवश्यक है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद प्रकाश व्यवस्था का अभाव योजना की पूर्णता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

पर्यटन और सौंदर्यीकरण की भी अपार संभावनाएं..

चंदन नदी पर बना यह पुल प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित है। यदि पुल पर आधुनिक एलईडी लाइटें, आकर्षक सजावटी प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएं तो यह क्षेत्र की पहचान बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम के समय जगमगाता पुल न केवल यात्रियों को सुरक्षित वातावरण देगा, बल्कि रामपायली जैसी ऐतिहासिक नगरी की सुंदरता में भी चार चांद लगाएगा।

प्रशासन और पंचायतों से उठी मांग

क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन, मोहगांव ग्राम पंचायत और रामपायली ग्राम पंचायत से मांग की है कि पुल पर शीघ्र प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के लिए विशेष बजट उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे और नियमित निगरानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

विकास तभी सार्थक, जब सुविधा भी मिले..

रामपायली-बिठली पुल ने क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी है, लेकिन अब आवश्यकता इस बात की है कि इसे सुरक्षित, सुविधाजनक और आकर्षक भी बनाया जाए। करोड़ों की लागत से बने इस पुल को यदि आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण से जोड़ा जाता है, तो यह केवल आवागमन का साधन नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की पहचान और गौरव का प्रतीक बन सकता है।

'विकास की असली रोशनी तभी होगी, जब करोड़ों का पुल अंधेरे से निकलकर सुरक्षा, सुविधा और सौंदर्य का नया उदाहरण बनेगा।'

कार्यालय जनपद पंचायत कटंगी जिला - बालाघाट (म.प्र.)

।। 'तृतीय ई- निविदा सूचना' ।।

क्रमांक/1650/ज0पं0/2026. कटंगी दिनांक 01/06/2026

कार्यालय जनपद पंचायत कटंगी, जिला बालाघाट (म0प्र0) के जनपद पंचायत कार्यालय भवन कटंगी (पुराना विकास खण्ड कार्यालय भवन कटंगी) एवं जनपद पंचायत कार्यालय भवन कटंगी को यथा स्थिति में डिस्मेन्टल (ध्वस्तीकरण किये जाने हेतु निर्धारित शर्तों के तहत www.mptenders.gov.in ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, विवरण निम्नानुसार है:-

क्र	निविदा क्रमांक	भवन का नाम	तकनिकी प्रतिवेदन अनुसार राशि	निविदा शुल्क	अमानत राशि
1	2	3	4	5	6
1	2026_DoPR_496438_3	जनपद पंचायत कार्यालय भवन कटंगी	384000/-	2000/-	19200/-
2	2026_DoPR_496439_3	जनपद पंचायत कार्यालय भवन कटंगी (पुराना विकास खण्ड कार्यालय भवन कटंगी)	215000/-	2000/-	10750/-

1. प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की बेवसाईट https.//WWW.mptenders.gov.in में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिस नाम से आई.डी. होगी उसी नाम से निविदा प्रस्तुत किया जायेगा।
2. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाईन बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in में आंनलाईन पेमेन्ट एवं पोर्टल सर्विस चार्ज के साथ खरीदे जा सकते है।
3. निविदा दिनांक 02/06/2026 से समय दोपहर 12.00 बजे से पोर्टल पर उपलब्ध होगी।
4. निविदा ऑनलाईन जमा करने की दिनांक 02/06/2026 समय दोपहर 12.00 बजे से दिनांक 15/06/2026 बजे तक है।
5. निविदा फार्म खोलने की दिनांक 16/06/2026 अपरान्ह - 3:00 बजे से है ।
6. निविदा में संशोधन केवल बेवसाईट पर देख सकते है, अखबारो में इसका कोई प्रकाशन नही किया जायेगा ।
7. उपर्युक्त भवनो का अवलोकन कार्यालय समय पर लेखा शाखा में संपर्क कर किया जा सकता है।

नोट:- यह केवल संक्षिप्त निविदा सूचना है निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिये जनपद पंचायत कटंगी (बालाघाट) में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यालय अधिकारी
जनपद पंचायत कटंगी

व्हाटसअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते है। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

ग्राम जागपुर की बेटी बनी डॉक्टर, एमबीबीएस उपाधि प्राप्त कर बढ़ाया मान..

पीडियाट्रिक्स विषय में स्वर्ण पदक से भी सम्मानित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में बालाघाट जिले के ग्राम जागपुर की प्रतिभाशाली बेटी डॉ. वेदिका गेडाम को एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की गई। अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उन्हें पीडियाट्रिक्स (बाल रोग) विषय में स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. वेदिका गेडाम, श्री प्रशांत गेडाम एवं पंचशीला गेडाम की सुपुत्री हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से उनके परिवार, ग्राम जागपुर एवं पूरे बालाघाट जिले में हर्ष और गर्व का वातावरण है। दीक्षांत समारोह में महाविद्यालय प्रशासन एवं अतिथियों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. वेदिका ने अपनी मेहनत, लगन एवं समर्पण के बल पर चिकित्सा शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण कर यह गौरव हासिल किया है। ग्राम जागपुर के नागरिकों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि गांव एवं जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

डॉक्टर बनने के साथ-साथ पीडियाट्रिक्स विषय में स्वर्ण पदक प्राप्त कर उन्होंने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डॉ. वेदिका गेडाम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, अपने परिवार, शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों को दिया तथा भविष्य में समाज एवं मानव सेवा के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

SONO VIEW
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
MRI CENTER
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
● M.R.I.
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक
तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com
SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी
मो. 7697505999

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

रबी की धान खरीदी की आड़ में नाप तौल में हो रही गड़बड़ी, किसानों के साथ अप्रत्यक्ष लूट..

जगप्रेरणा लांजी।

बालाघाट जिला धान उत्पादन के लिए प्रदेशभर में अपनी विशेष पहचान रखता है। जिले में रबी सीजन के दौरान भी बड़ी मात्रा में धान की खेती की जाती है और अधिकांश किसानों की आय का प्रमुख स्रोत धान ही है।

वर्तमान में क्षेत्र के किसानों द्वारा रबी की फसल की कटाई पूरी कर ली गई है तथा उपज की बिक्री का दौर जारी है। इसी बीच लांजी क्षेत्र में धान की तौल को लेकर किसानों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह बात सामने आ रही है कि कई किसान अपनी उपज की तौल स्वयं किए बिना सीधे व्यापारियों को बेच देते हैं। ऐसे मामलों में तौल प्रक्रिया पूरी तरह व्यापारी के भरोसे होने के कारण किसानों को नुकसान होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ स्थानों पर तौल के दौरान उपयोग किए जाने वाले कांटे और बाटों की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठे हैं। किसानों का कहना है कि यदि तौल उपकरणों में गड़बड़ी हो तो कुल वजन में कई किलो तक का अंतर आ सकता है, जिससे उत्पादक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं कुछ किसान अपनी उपज की पहले से तौल कर रिकॉर्ड रखने के बाद ही बिक्री करते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक वजन का पता रहता है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि पूर्व में कुछ मामलों में तौल संबंधी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं, जिन पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी लगाया गया था। हालांकि इन चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इससे किसानों में जागरूकता की आवश्यकता अवश्य महसूस की जा रही है।

किसानों को बरतनी चाहिए सावधानी..

कृषि विशेषज्ञों और जागरूक किसानों का मानना है कि फसल बेचने से पहले प्रत्येक किसान को अपनी उपज की सही तौल कर लेनी चाहिए तथा उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखना चाहिए। तौल के समय स्वयं उपस्थित रहना, प्रमाणित कांटे का उपयोग सुनिश्चित करना और वजन की रसीद प्राप्त करना भी जरूरी है। इससे किसानों को अपनी मेहनत की उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा और किसी प्रकार के आर्थिक नुकसान से बचाव हो सकेगा।धान उत्पादन में अग्रणी क्षेत्र के किसानों के लिए यह आवश्यक है कि वे उपज विक्रय के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करें, ताकि उनकी मेहनत का पूरा लाभ उन्हें मिल सके।

अवैध बोर उत्खनन के मामले में आरोपित के विरुद्ध मामला दर्ज..

बिना अनुमति के हो रहा था खनन

जगप्रेरणा लांजी।

तहसील लांजी क्षेत्र के ग्राम बिंझलगांव में अवैध रूप से बोर उत्खनन करने के मामले में दीपक धनवले नामक व्यक्ति के खिलाफपुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के पत्र के आधार पर तहसीलदार लांजी ने थाना प्रभारी लांजी को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

आरोपी दीपक धनवले पिता राजकुमार धनवले, जाति लोधी, निवासी ग्राम किरनापुर (तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट) पर आरोप है कि उन्होंने 1 जून 2026 को रात करीब 10:17 बजे ग्राम बिंझलगांव में अनतराम जीवतोडे की आबादी भूमि (खसरा नंबर 39) के निकट बोर मशीन से अवैध बोरिंग कराई। जिसे तहसीलदार द्वारा जप्ती कार्यवाही कर पुलिस अभिरक्षा में पुलिस थाना लांजी में खड़ा किया गया है। यह कार्य बिना अनुमति के किया गया, जो मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 का उल्लंघन है। जिस पर अनुविभागीय दंडाधिकारी लांजी एवं तहसीलदार लांजी के पत्र के आधार पर थाना लांजी में आरोपी दीपक धनवले के विरुद्ध धारा 223(ए) बीएनएस तथा धारा 3/9 मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

राजस्व विभाग के अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया। अवैध बोरिंग से भूजल स्तर प्रभावित होने और पेयजल संरक्षण नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। पुलिस आगे की जांच में आरोपी से पूछताछ कर बोरिंग के पीछे का उद्देश्य और अन्य संभावित संलिप्तता की जांच कर रही है।

अब बिजली बिल की चिंता छोड़िए, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से पाएं मुफ्त बिजली का लाभ

जगप्रेरणा बालाघाट।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से आम नागरिक अपने घरों की छत पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत कर सकते हैं।

योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को मार्च 2027 से पूर्व सोलर संयंत्र स्थापित कराने पर आकर्षक सब्सिडी का लाभ प्रदान किया जा रहा है। ऊर्जा विभाग के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को प्रदेश में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। अब तक मध्यप्रदेश में दो लाख से अधिक उपभोक्ता योजना में पंजीयन करा चुके हैं और स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। योजना का उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़कर बिजली खर्च कम करना तथा हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

योजना संबंधी जानकारी को आमजन तक सरल और सुगम तरीके से पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा व्हाट्सऐप चैटबॉट 'सोलर चाचा' की शुरुआत की गई है। इस चैटबॉट के माध्यम से नागरिक योजना की पात्रता, सब्सिडी की राशि, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के संबंध में प्रमाणित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने नागरिकों से योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। इच्छुक हितग्राही अपने सोलर सफर की शुरुआत करने के लिए जारी क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं अथवा व्हाट्सऐप नंबर 8815107640 पर **Hello** संदेश भेजकर 'सोलर चाचा' चैटबॉट सेवा का उपयोग कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल उपभोक्ताओं के बिजली बिल को कम करने में सहायक है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नागरिकों से योजना में पंजीयन कर केंद्र सरकार की इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

टेमनी में जंगली सुअर का मांस बरामद वन विभाग की कार्रवाई में तीन आरोपी गिरफ्तार

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी पश्चिम सामान्य लांजी वन अमले को मुखबिर के द्वारा शिकायत प्राप्त हुई कि कोचेवाही बीट के ग्राम टेमनी अन्तर्गत कुछ लोगों के द्वारा वन्य प्राणी जंगली सुअर को मारकर उनका मांस पकाया जा रहा है।

सूचना प्राप्त होते ही वन अमले के द्वारा दबिश देकर सूअर के मांस को पकाने के पूर्व ही वन विभाग ने मांस सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया वहीं एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी भावसे, वन मण्डलाधिकारी नित्यानंदम एल, दक्षिण सामान्य, उपवन मण्डलाधिकारी राकेश कुमार अडक़ने उपवन मण्डल के निर्देशानुसार 3 जून 2026 को पश्चिम लांजी सामान्य परिक्षेत्र अन्तर्गत कोचेवाही बीट के ग्राम टेमनी में मुखबीर से प्राप्त सूचना पर आरोपी जितेन्द्र पिता दशरथ वाडिवा उम्र 20 वर्ष निवासी टेमनी के घर मे वन अमले ने छापामार कार्यवाही करते हुये जंगली सुअर का लगभग 3 किलो मांस बरामद किया गया है। उक्त आरोपी के साथ ही दो अन्य आरोपी भी हिरासत में लिये गये है जिनमें शंकर पिता रूपचंद्र (50) निवासी चौंदाटोला, और महेन्द्र पिता भागचंद्र (50) निवासी टेमनी शामिल है। तीनों ही आरोपियों को कार्यालय वन परिक्षेत्र में लाया जाकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर आरोपियों के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। एसडीओ राकेश अडक़ने ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि वन परिक्षेत्र के कोचेवावही बीट के टेमनी में जंगली सुअर का मांस पकाकर खाने की तैयारी की जा रही है। जिसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, डिप्टी रेंजर दिलीप उके, रविन्द्र सोनवाने वनक्षेत्रपाल, पवन पटले, वनकर्मी विशाल आसटकर, भारत नेवारे, सीमा घोरमारे, रत्नकला भलावी, मकेन्द्रसिंह तोमर, राहुल और सुरेश की टीम गांव पहुंची। जहां उन्होंने जंगली सुअर के मांस को पकाने की तैयारी में जुटे टेमनी निवासी जितेन्द्र पिता दशरथ वाडिवा (20), चौंदाटोला निवासी पकड़ा। जिनके पास से जंगली सुअर का तीन किलो मांस मिला है। एसडीओ राकेश अडक़ने ने बताया कि मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वन अमले ने अपील की है कि वन्य प्राणी भी इंसानो की ही तरह जीव है। इनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है।

मोड़कन टेंभरे जी का निधन

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी क्षेत्र के ग्राम देवलगांव निवासी मोडक़न पिता जग्गु टेंभरे जी का 79 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते 3 जून को शाम 6:30 बजे निधन हो गया।

आप अपने एक पुत्र, तीन पुत्रियों, नाती पोतो से भरा पुरा परिवार छोड़ स्वग सिधार गये। आपका अंतिम संस्कार आज 4 जून को प्रातः 10 बजे स्थानीय मोक्षधाम देवलगांव में किया जायेगा। आपके निधन पर नाते रिश्तेदारो, ईष्ट मित्रो, ग्रामीण जनों के द्वारा शोक श्रृद्धांजलि व्यक्त कर परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की है।

जनपद पंचायत लांजी

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

कार्यालय जनपद पंचायत लांजी को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत कार्यों के मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु मासिक तथा प्रतिदिवस दर पर वाहन की आवश्यकता है। वाहन का माडल दिनांक 01.06.2026 को 03 वर्ष से अधिक पुराना नही होना चाहिए। इसके लिए वाहन मालिकों से मुहरबंद निविदाएं दिनांक 18/06/2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएं उसी दिन दोपहर 3:00 बजे उपस्थित निविदाकर्ताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्ते तथा निविदा प्रपत्र राशि 500/-रू. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत लॉजी के बैंक खाता कमॉक 60285030191 बैंक ऑफ महाराष्ट्र **IFSC** कोड- **MAHB0001057** में जमा कर सहायक लेखाधिकारी, मनरेगा, जनपद पचांयत लॉजी से प्राप्त किया जा सकता है।

अंकित सिंघई
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी

श्रमिकों के बच्चों के लिए सुनहरा अवसर..

श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण हेतु प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के लिए श्रमोदय आदर्श आईटीआई, भोपाल में वर्ष 2026 के प्रवेश हेतु पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि संस्थान में भारत

सरकार से एनसीवीटी मान्यता प्राप्त विभिन्न ट्रेडों में निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसमें प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 26 मई से 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 1 जून से 30 जून 2026 तक चलेगी। 8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी संस्थान में संचालित आठ विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने नजदीकी कियोस्क सेंटर के माध्यम से पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी मध्यप्रदेश कौशल विकास पोर्टल पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान में इलेक्ट्रीशियन (20 सीट), टेक्नीशियन मेकाट्रोनिक्स (24 सीट), एडवांस सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियन (24 सीट), सिविल इंजीनियर असिस्टेंट (24 सीट), वेल्डर (20 सीट), आईओटी (स्मार्ट सिटी) (24 सीट), फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी (24 सीट) तथा इंटीरियर डिजाइन एंड डेकोरेशन (24 सीट) ट्रेड संचालित किए जा रहे हैं।

संस्थान प्रबंधन ने इच्छुक विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है, ताकि मेरिट के आधार पर उन्हें अपनी पसंद के ट्रेड में प्रवेश मिल सके। अधिक जानकारी अथवा आवेदन संबंधी किसी भी समस्या के लिए अभ्यर्थी 9424454453 एवं 9826947798 पर संपर्क कर सकते हैं।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण-2026 की तैयारियों पर राज्य निर्वाचन आयोग ने की समीक्षा..

मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य समय सीमा में करने के निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के अवर सचिव के निर्देशानुसार नगरपालिकाओं एवं पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण

वर्ष-2026 की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे, निर्वाचन प्रभारी सहायक अधीक्षक दीपक चौरागड़े तथा डेटा एंट्री ऑपरेटर नितेश कुमार गायधनी उपस्थित रहे।

बैठक में **ERMS** सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची अद्यतन करने, ऑनलाइन प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के त्वरित और पारदर्शी निराकरण, पंचायतों के विस्थापन संबंधी प्रक्रियाओं तथा नवीन नगरीय निकायों की मतदाता सूची तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान सभी प्रक्रियाओं का विधिवत पालन सुनिश्चित किया जाए तथा मतदाता सूची में त्रुटिरहित और अद्यतन प्रविष्टियां दर्ज की जाएं। साथ ही प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार जिले की छह नगरपालिकाओं में कुल 217 मतदान केंद्र हैं तथा दावा-आपत्ति आवेदन पत्रों के 1103 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। वहीं जिले की 10 जनपद पंचायतों में कुल 2158 मतदान केंद्र हैं और दावा-आपत्ति आवेदन पत्रों के 12,094 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता के साथ निर्धारित अवधि में पूरा करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

जग प्रेरणा

साहित्य / अभिव्यक्ति

● संपादकीय ● लेख ● कविता ● व्यंग्य ● राजनीतिक टिप्पणी ● धार्मिक लेख ● सामाजिक लेख

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

पर्यावरणीय समस्यायों के समाधान के लिए सरकारी नीतियों से ज्यादा ज़रूरी है पर्यावरण हितैषी संस्कार और आचरण..

आज पर्यावरणीय समस्याएँ केवल वैज्ञानिक विमर्श या अकादमिक चिंता का विषय नहीं रह गई हैं, बल्कि वे मानव सभ्यता के अस्तित्व, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पृथ्वी के भविष्य के सामने खड़े सबसे गंभीर संकटों में से एक बन चुकी हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता वैश्विक तापमान, बढ़ता समुद्री जलस्तर, एंटार्कटिका में पिघलती बर्फ, घटती जैव विविधता, सूखते जलस्रोत, प्रदूषित होती वायु तथा घटती भूमि की उर्वरता आदि इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि मानव गतिविधियों के कारण प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है।

समय-समय पर आने वाली बाढ़, सूखा, जंगलों की आग, हीट वेव और अन्य प्राकृतिक आपदाएँ इस असंतुलन के बढ़ते दुष्परिणामों की ओर संकेत करती हैं। आधुनिक युद्धों, हथियारों की होड़ और अनियंत्रित औद्योगीकरण तथा मानव की विलासितापूर्ण उपभोगवादी संस्कृति ने पर्यावरणीय चुनौतियों को और अधिक जटिल बना दिया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आज विश्व के राजनेता, वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और सामाजिक संस्थाएँ पर्यावरणीय संकटों के समाधान के लिए वैश्विक सम्मेलनों, समझौतों और विमर्शों में पहले से कहीं अधिक सक्रिय हैं। सरकारी घोषणाओं और नीतियों में भी पर्यावरण संरक्षण की चिंता स्पष्ट दिखाई देती है।

इसके बावजूद धरातल पर अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। हाँ, इतना अवश्य हुआ है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को स्थान मिला है तथा सड़क से लेकर संसद तक इस विषय पर चर्चा होने लगी है। लगभग सभी देश और संगठन इस बात से सहमत हैं कि पिछले कुछ दशकों में पर्यावरणीय समस्याएँ कम होने के बजाय और अधिक गंभीर हुई हैं तथा इसके लिए मानव की जीवनशैली और आचरण प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं।

वर्ष 1972 में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन (स्टॉकहोम सम्मेलन) के बाद से विश्व समुदाय पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार संकल्प दोहराता आ रहा है। प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, परन्तु विचारणीय विषय यह है कि शासन की नीतियों और आम नागरिकों के दैनिक आचरण में पर्यावरण-हितैषी चेतना अभी भी पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं देती।

वास्तविक समस्या जानकारी के अभाव की नहीं है। आज अधिकांश लोग जानते हैं कि पर्यावरण को कैसे नुकसान पहुंचता है,प्रदूषण कैसे फैलता है और उसे कम करने के लिए क्या उपाय आवश्यक हैं। समस्या ज्ञान और व्यवहार के बीच बढ़ती दूरी की है। उदाहरण के लिए, आज कोई भी व्यक्ति स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा पर प्रभावशाली भाषण दे सकता है, किन्तु व्यवहार में वही व्यक्ति सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करता है, जल और ऊर्जा की अनावश्यक बर्बादी करता है तथा अपनी सुविधाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करता है। यही विरोधाभास पर्यावरणीय संकट को और गहरा कर रहा है। प्रकृति की रक्षा का प्रश्न अब केवल योजनाओं, बजटों और सरकारी फाइलों का विषय नहीं है; यह हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक चरित्र की परीक्षा भी है।

भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विरासत में प्रकृति को कभी मात्र उपभोग की वस्तु नहीं माना गया। उसे जीवन, चेतना और सह-अस्तित्व का आधार समझा गया है। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में कहा गया है कि ÷माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः÷ अर्थात् पृथ्वी मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। भारतीय चिंतन मानव को प्रकृति का स्वामी नहीं, बल्कि उसका अभिन्न अंग मानता है। उपनिषदों में वर्णित पंचमहाभूत ÷पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश÷ के संतुलन को सृष्टि की स्थिरता का आधार माना गया है। भारतीय सनातन परंपरा में नदियों को माता, वृक्षों को पूजनीय तथा पर्वतों को श्रद्धा का विषय मानने के पीछे केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि संरक्षण की एक सामाजिक व्यवस्था भी निहित रही है। जैन दर्शन की अहिंसा सूक्ष्मतम जीवों तक करुणा का विस्तार करती है।

बौद्ध दर्शन का मध्यम मार्ग संयमित उपभोग और संतुलित जीवन का संदेश देता है। सिख परंपरा भी प्रकृति को ईश्वर की रचना और समस्त सृष्टि को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा देती है।

विडंबना यह है कि भारत की इतनी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के बावजूद आज अनेक धार्मिक स्थलों, मेलों, यात्राओं और उत्सवों में प्लास्टिक, थर्माकोल, कचरा , रासायनिक रंगों तथा ध्वनि प्रदूषण का व्यापक उपयोग दिखाई देता है। जिन पर्वों और परंपराओं का उद्देश्य प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था, वे कई बार अनजाने में प्रदूषण का कारण बन जाते हैं। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि समस्या हमारी परंपराओं या धर्मग्रंथों में नहीं, बल्कि उनके अनुपालन में है।

जब तक उपदेश हमारे व्यवहार का हिस्सा नहीं बनते, तब तक केवल मंत्रोच्चार और प्रवचन पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते। अब केवल 'दिवस' मनाने से काम नहीं चलेगा। समय आ गया है कि पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी योजनाओं, वार्षिक बजटों, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की औपचारिक गतिविधियों अथवा फोटो-आधारित अभियानों तक सीमित न रखा जाए। इसे सामाजिक और नैतिक अनुशासन का हिस्सा बनाना होगा। मेरा ऐसा मानना है कि वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब हम जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझेंगे, वृक्षारोपण के साथ वृक्षों के संरक्षण और संवर्धन को भी प्राथमिकता देंगे, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की आदत विकसित करेंगे तथा 'उपयोग करो और फेंको' की संस्कृति के स्थान पर पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की जीवनशैली अपनाएँगे। इतना ही नहीं हमे विवाह और अन्य सामाजिक आयोजनों में भोजन तथा संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी को रोकने के लिए भी सामाजिक स्तर पर अनुशासन विकसित करना होगा।

परिवर्तन की शुरुआत नेतृत्व स्तर से भी होनी चाहिए, क्योंकि समाज अक्सर अपने नेताओं और आदर्श व्यक्तियों का अनुसरण करता है। यदि राजनेता, नीति-निर्माता और जनप्रतिनिधि स्वयं संसाधनों के संयमित उपयोग और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत नहीं करेंगे, तो जनता से त्याग और अनुशासन की अपेक्षा करना कठिन होगा।

पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक नेताओं का समाज पर प्रभाव बढ़ा है। इसलिए धर्मगुरुओं, कथावाचकों को भी केवल आध्यात्मिक उन्नति तक सीमित न रहकर स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु, उर्वरक भूमि,जैव विविधता संरक्षण और संयमित उपभोग को धार्मिक एवं नैतिक कर्तव्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।

उद्योग जगत को भी अल्पकालिक लाभ की दौड़ से ऊपर उठकर सतत विकास को अपनी प्राथमिकताओं में स्थान देना होगा। मीडिया को भी पर्यावरण को केवल एक दिन की सुर्खी या टीआरपी का विषय न मानकर निरंतर चलने वाले सामाजिक विमर्श के रूप में प्रस्तुत करने पर विचार करना चाहिए।

मेरा यह भी मानना है कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल औपचारिक संदेशों के आदान-प्रदान या खोखली प्रतिज्ञाओं का अवसर नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। आने वाली पीढ़ियाँ हमसे यह नहीं पूछेंगी कि हमने पर्यावरण पर कितने सम्मेलन आयोजित किए, कितनी नीतियाँ बनाई या कितनी कविताएँ लिखीं; वे यह जानना चाहेंगी कि जब पृथ्वी गंभीर पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रही थी, तब हमने अपने व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक व्यवहार और विकास की प्राथमिकताओं में क्या परिवर्तन किए थे।

पर्यावरणीय संकट केवल तकनीकी समाधानों, न्यायालयों के आदेशों या सरकारी योजनाओं से समाप्त नहीं होगा। इसके लिए मनुष्य को अपनी असीमित उपभोग-प्रवृत्ति, लालच और प्रकृति के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्यावरण संरक्षण को केवल विचार न रहने दें, बल्कि उसे संस्कार बनाएँ; केवल उपदेश न दें, बल्कि अपने आचरण का अभिन्न अंग बनाएँ।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

अच्छा है..

माँ की निसीहत पर अमल कर लो तो अच्छा है
खुद को कमल कर लो तो अच्छा है

देखना फिर जिंदगी के मायने बदल जाएंगे
काम कुछ असल कर लो तो अच्छा है

शब्दों को सजाने की
कारागिरी भी अच्छी है
बहर पर कोई गज़ल
कर लो तो अच्छा है

सीखने सिखाने का
उमर से भला क्या लेना
अच्छे व्यक्ति की नकल
कर लो तो अच्छा है

आज जैसा है कल
थोड़ी ना वैसा ही रहेगा
वक्त के मुताबिक फेर
बदल कर लो तो अच्छा है

लेखक

किशोर छिपेश्वर 'सागर', बालाघाट

तेरे सपने मेरे गीत..

मेरे अधरों पे ठहरें तेरे गीत हो,
अब तेरे सपने सारे मेरे मीत हो।
साथ जब तक धरा का गगन से रहे,
मैं तेरी प्रीत और तू मेरी प्रीत हो।

हल्के-फुल्के रहें या कि गहरे रहें,
मुझ पे पलकों के तेरे ही पहरे रहें।
जंग कैसी भी हो, रंग कोई भी हो,
मन के कमरे हमारे सुनहरे रहें।

एक बड़ी बात हो, तू मेरे साथ हो,
चांदनी रात और हाथ में हाथ हो।
राह कांटों भरी या कि फूलों की हो,
तेरे काँधे पे साजन मेरा माथ हो।

संतोष सिंह नैकाने

शब्दवर्गपहेली क्र.- 182

1	2	3	4			5	6		7		8	9	10		11	12		13		14
15					16				17	18		19						20		
21			22	23			24	25			26						27			
		28				29				30				31				32	33	
34				35	36				37			38	39				40			
		41	42		43			44			45				46					47
	48			49			50			51				52			53			
54			55			56		57	58					59		60				
	61	62			63		64					65	66			67	68		69	
70				71		72					73				74		75			76
77			78							79			80	81		82			83	
		84			85		86		87			88						89		
90	91			92			93				94			95	96		97			
	98		99			100				101			102							
103			104					105	106		107	108		109			110		111	
		112				113											114			

ck;s ls nk;s – 1) श्रीकृष्ण 5) नष्ट 8) मध्य प्रदेश की राजधानी 11) शिवजी 15) शिवजी के एक पुत्र का नाम 16) तसल्ली, सांत्वना 17) लगाम, श्रीकृष्ण का गोपियों के साथ किया गया नृत्य 19) खेती या फसल का हराभरा होना 20) गौतम बुद्ध के पुत्र का नाम 21) एक किस्म का लसीला पदार्थ 22) एक उपदिशा 24) पुरानी रीतियों पर आंख बंद करके चलनेवाला 27) महिना 28) राक्षस 30) दौड़ (अं.) 31) झंड़ी 32) गिनती करना 34) जाप करना 35) नकल करनेवाला 37) शिवजी के सेवक 38) रिपोर्ट का हिन्दीकरण 40) साधन, तरीका 41) पातक 43) औषधी 44) गीला 45) पावन 46) हमारा एक पडोसी देश 48) अदाकारा श्रीदेवी के पति तथा मिस्टर इंडिया फिल्म के निर्माता 50) संध्या 51) हिमालय पर्वत की एक चोटी 53) नुकीला 54) तस्करी 55) दुर्घटना 57) आपत्ती, संकट 59) संसार 61) बांधने की क्रिया 63) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री 65) रसिया 67) बिलकूल 70) विप्लव, बगावत 72) झंड़े आदि को हवा में ड़ोलाना 75) कुटुंब 77) लज्जाजनक 79) पंछी 80) सिनेमा का परदा 83) नाखून 84) अनेक 85) दरिद्रता 87) जलन, पीड़ा 88) महोदय 90) घाव की छेद जिसमेंसे मवाद बहते रहता है 92) बुरी आदत 93) लाक्षणिक दृष्टी से सर्वस्व 95) ओठ 97) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री का कुलनाम 98) जमावड़ा 100) प्राप्त करना 101) जुलूस में की गई सामूहिक घोषणा 102) किसी को कोई चीज सुपूर्द करने की क्रिया 103) छाती 104) स्थिर दृष्टी 105) अरब के मक्का शहर का पवित्र पत्थर 107) वृक्ष का धड़ 109) सूजी 110) साथी, मित्र 112) श्रवण कराना 113) किसी काम को पुरा करने के लिये अपने प्राण तक को संकट में ड़ालना अर्थवाला मुहावरा 114) महाराष्ट्र का एक प्रसिद्ध शहर

Aij ls uhps & 1) दिलीपकुमार, मधुबाला व पृथ्वीराज की मुख्य भूमिकाओंवाली बड़ी लागतवाली एक प्रसिद्ध फिल्म 2) ठंड़ मे ओढ़ी जानेवाली रूई भरी एक किस्म की चादर 3) मग्न 4)धनी 5) आफत 6) रसयुक्त 7) दीवार या दरवाजे में पड़नेवाली रेखा 9) डोली, शिबिका 10) तरंग 11) मदद 12) कण 13) हमारे एक भूतपूर्व राष्ट्रपति 14) पीछे मुडना 16) स्वर्गीय, अलौकिक 18) कारणसहीत 23) मुसलमान 25) कीड़ा 26) सांप का उठा हुआ सिर 28) अन्नजल 29) सूजी का एक मिष्ठान्न 31) पडदा, वस्त्र 33) नवीन 36) कदर करनेवाला 37) दुःख, शोक 38) एक प्रसिद्ध सितारवादक 39) पत्ता, पत्रावली 42) घी या तेल में पकाकर बनाये गये व्यंजन 44) कृतघ्न 45) हूर, कहानियों में वर्णित पंखोवाली स्त्री 47) गुजरात का एक प्रसिद्ध शहर, चेहरा 48) मुंबई का एक उपनगर 49) बाढ़ 51) महिमा 52) धोबी 56) पक्षपात 58) पराजित करना 60) परत 62) धर्म का काम, 'एक दिन बिक जायेगा' गीतवाली फिल्म 64) वनराज 66) मृत्यू होना 68) रिपोर्ट का हिंदीकरण 69) युवा 70) मुर्च्छित होना 71) भला, शिष्ट 73) गवाह 74) मरा हुआ 76) रखवाली करनेवाला 78) हज्जाम 79) परिधान करना 81) मध्य प्रदेश का एक प्रसिद्ध शहर जहां मदन महल है 82) जानवर 85) पिछला, बीता हुआ 86) समय आदी का गुजरना 87) मूल्य 88) लोग 89) आगरे कर एक प्रसिद्ध दर्शनीय इमारत 91) रोग या चोट के कारण किसी अंग का फूलना 92) टंगना, फंसना 94) पृथ्वी की सतह 96) प. बंगाल का एक जिला मुख्यालय 99) कम होना, क्षीण होना 100) पवित्र, मीनाकुमारी व राजकुमार की एक प्रसिद्ध फिल्म 103) हद 105) चाची 106) बुढ़े लोगों के लिए एक संबोधन 108) नागालैंड की एक प्रमुख जाति 110) दंड 111) एक अनाज, जिसे पीसकर बेसन बनाया जाता है (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

वि	ज	य	या	त्रा		रा	त		प	र	व	रि	श		वा	द	वि	वा	द	
ज्ञा		म		ता	ज	म	ह	ल			क्त		व	फा	दा	र		र	म	णी
प	रि	स	र		ल		ल	ट	प	ट		ना		ग			ना	दा	न	
न	ग	द		म	द		का		त	ल	ब		म		दा	न		त		ज
	न	न	द			गा		व		ना	ट	क	शा	ला		ल	त		आ	न
द			गा		रा	ज	म	ह	ल		वा		ल	ला	ट		रा	ज	धा	नी
र	स		बा	ल	म		न	म	क	ह	रा	म		ल	प	क	ना		र	
अ	च	र	ज		ते	ज	स्वी		ड	र		न	मा	ज		व		अ		हां
स	ल	मा		लि	री	ल		लि	हा	जा		मौ		प	रि	च	य	प	त्र	
ल		कां	च	न	गं	गा			रा	ई		जी	वि	त			म	ना		अ
	शी	त	ल		गा	व	दी				म		ना	रा	ज	गी		प	र	ख
	त		चि		मै		वा	ता	नु	कु	लि	त		य	म		जा	न		बा
ए	क	मा	त्र		ली		र		मा		का	य	दा		द	र्श	न			र
त	र	ल		प्र		न		भा	ई				दा	वा	ग्नी		का		पा	
बा		कं	गा	ल		ह	त्या		श	त	रं	ज		चा		प	री	क्षा	र्थी	
र	ई	स		य	ल्गा	र		गो		न	ग	र	पा	ल		र्व			व	र्दी

anumeva-08446302691

सिराज और प्रसिद्ध ने भीषण गर्मी में भी किया जमकर अभ्यास..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ छह जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले बुधवार को यहां भीषण गर्मी के बावजूद लगभग 25 मिनट तक जमकर अभ्यास किया।

इस एकमात्र टेस्ट मैच के बाद भारत और अफ़ग़ानिस्तान के बीच तीन मैच की वनडे श्रृंखला खेली जाएगी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो महीने तक व्यस्त रहने के बाद गेंदबाजों के कार्यभार को लेकर कुछ सवाल उठ रहे थे, लेकिन चिलचिलाती धूप में सिराज की शानदार गेंदबाजी से स्पष्ट हो गया कि इस सीनियर तेज गेंदबाज की फिटनेस को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। अगर सिराज फिट नहीं होते तो उनके लिए चिलचिलाती धूप में अपनी पूरी ताकत से गेंदबाजी करना आसान नहीं होता।

लेकिन उनकी गेंदबाजी को देखकर लगता है कि वह इस टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजी की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान छह फुट पांच इंच लंबे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने अच्छी लेंथ से तेज उछाल हासिल की। कम से कम दो मौकों पर उनकी गेंद केएल राहुल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पीछे गई। राहुल इसके अलावा अभ्यास के दौरान तकनीकी रूप से काफी कुशल नजर आए। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी डार ने कई चरणों में गेंदबाजी की। उन्होंने भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। नबी ने अपनी लाइन और लेंथ को बनाए रखते हुए अच्छा नियंत्रण बनाए रखा।

इस सत्र का एक उल्लेखनीय पहलू बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे को बल्लेबाजी करने का अधिक समय देना रहा। इससे पता चलता है की टीम प्रबंधन उनकी ऑलराउंड क्षमता का उपयोग करने के लिए उत्सुक है। दुबे और बाएं हाथ के स्पिनर के स्थान के लिए उनके प्रतिद्वंद्वी मानव सुथार ने पास-पास के नेट में गेंदबाजी की। इस दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर उन पर करीबी नजर रखे हुए थे।

कप्तान शुभमन गिल समेत सभी विशेषज्ञ बल्लेबाजों ने प्रिंस यादव समेत रिजर्व गेंदबाजों के खिलाफनेट पर अच्छा खासा समय बिताया। हाल के वर्षों में कई चोट से जूझने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव भी टीम के साथ थे। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफसे खेलने वाले इस तेज गेंदबाज ने हालांकि लंबे समय तक गेंदबाजी नहीं की और इसके बजाय अपने फिटनेस अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया।

कॉकटेल 2 की रिलीज से पहले ईश्वर की शरण में कृति सेनन, तिरुमाला मंदिर पहुंचीं एक्ट्रेस, लिया वेंकटेश्वर बालाजी का आशीर्वाद...

डेस्क जगप्रेरणा।

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में अपने ग्लैमरस अवतार को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

दर्शक इस फिल्म को देखने के लिए अपनी बेताबी जाहिर कर रहे हैं। इस बीच फिल्म की रिलीज से पहले बुधवार को एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ तिरुमाला मंदिर गईं और 'कॉकटेल 2' की रिलीज से पहले वेंकटेश्वर बालाजी का आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह मंदिर के बाहर नजर आ रही हैं।

तिरुमाला मंदिर पहुंचीं कृति सेनन..

कृति सेनन बुधवार को अपने पूरे परिवार के साथ आंध्रप्रदेश के प्रतिष्ठित तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने परिवार ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और कुछ शांतिपूर्ण पल बिताए। एक्ट्रेस ने मंदिर के सभी रीति-रिवाजों का पालन करते हुए धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। एक्ट्रेस जैसे ही बाहर आईं, फैंस उन्हें देखकर खुश हो गए और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने को उमड़ पड़े। इस दौरान कृति ने सफेद सूट पहन रखा था, जिसमें वह सिंपल और प्यारी लग रही थीं।

कब रिलीज होगी कॉकटेल 2?

वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन इन दिनों 'कॉकटेल 2' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं, जिसमें वह अब तक के सबसे बोल्ड लुक में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर और सॉन्ग्स में उनके कैरेक्टर की झलक देखने को मिल चुकी है। फिल्म में कृति सेनन के अलावा शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। मंगलवार को ही फिल्म निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया था। ये फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

नए स्टार और पुरानी यादें..

हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसे देखने के बाद फैंस का कहना है कि नई स्टार कास्ट के साथ होमी अदजानिया ने पुरानी यादें ताजा कर दी हैं। फिल्म के पहले भाग की बात करें तो ये फिल्म 2012 में रिलीज हुई थी, जिसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी लीड रोल में थे। वहीं कॉकटेल 2 की बात करें तो दिनेश विजान, लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।

फीफा विश्व कप में खेलेंगे भारतीय मूल के चार खिलाड़ी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

नयी दिल्ली, तीन जून (भाषा) भारत के लिए फीफा विश्व कप में खेलना अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है लेकिन अमेरिका में 11 जून से शुरू होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं।

यह चार खिलाड़ी सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्ले और तहसीन मोहम्मद हैं जो फ्रांस के मिडफील्डर विकास धोरासू के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। धोरासू जर्मनी में 2006 के विश्व कप में खेले थे। धोरासू के पूर्वज आंध्र प्रदेश के विजयनगरम की रहने वाले थे। इस सूची में शामिल होने वाले चार अन्य खिलाड़ियों पर एक नज़र डालते हैं।

सरप्रीत सिंह (न्यूजीलैंड)

ऑकलैंड में पंजाबी माता-पिता के घर जन्मे सरप्रीत 2018 में मुंबई में अंतरमहाद्वीपीय कप के दौरान भारत में भी खेले थे। उन्होंने उसी वर्ष न्यूजीलैंड के लिए पदार्पण किया था। भारत ने तब खिताब जीता जबकि न्यूजीलैंड चार देशों के इस टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा। इसके एक साल बाद सरप्रीत जर्मन की पहली डिवीजन लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2019 में बायर्न म्यूनिख की तरफसे पदार्पण किया। वह ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग टीम वेलिंगटन फीनिक्स से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए थे। सरप्रीत ने 20 जून, 2020 को एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ बायर्न म्यूनिख के लिए अपना पहला सीनियर मैच खेला। वह उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2019-2020 सत्र में बुंडेसलीगा का खिताब जीता था।

मिडफील्डर सरप्रीत पुर्तगाल के यूनियाओ डी लीरिया और सर्बिया की सुपरलीगा टीम एफके टीएससी की तरफ से भी खेले। इसके बाद वह फीनिक्स के लिए ए-लीग में खेले।

उन्हें इस साल फरवरी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह आठ सप्ताह तक मैदान से बाहर रहे, लेकिन अप्रैल में उन्होंने वापसी की और न्यूजीलैंड की विश्व कप की 26 सदस्यीय टीम में जगह बनाई। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 24 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और तीन गोल किए हैं। सरप्रीत ने 2017 और 2019 फीफा अंडर-20 विश्व कप में भी न्यूजीलैंड के लिए खेले थे।

सैमुअल मौतौसामी (कांगो)..

मौतौसामी का जन्म फ्रांस में हुआ था। उनकी माता कांगो मूल और पिता तमिल मूल के हैं। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई खिलाड़ी किसी राष्ट्रीय टीम के लिए तभी खेल सकता है जब उसकी जैविक माता, जैविक पिता या दादा-दादी का जन्म उस देश में हुआ हो। खिलाड़ी के पास उस देश का पासपोर्ट भी होना चाहिए जिसका वह प्रतिनिधित्व कर रहा है। यह 29 वर्षीय मिडफील्डर वर्तमान में यूनान के सुपर लीग क्लब एटरोमिटोस के लिए खेल रहा है। वह कांगो की सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफसे अब तक 57 मैच खेल चुके हैं।

निशान वेलुपिल्ले (ऑस्ट्रेलिया)..

निशान वेलुपिल्ले की मां एंग्लो-इंडियन और पिता श्रीलंकाई मूल के तमिल हैं। यह 25 वर्षीय विंगर ऑस्ट्रेलिया की 26 सदस्यीय टीम के उन 17 खिलाड़ियों में से एक हैं

जो फीफा विश्व कप में अपना पदार्पण करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष स्तरीय ए-लीग में मेलबर्न विक्ट्री के लिए खेलते हैं। उन्होंने अक्टूबर 2024 में विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया। वेलुपिल्ले ने चीन के खिलाफ स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने अपने पहले ही मैच में गोल किया। तब से लेकर अब तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात मैच खेले जिनमें उन्होंने तीन गोल किए हैं। ये सभी गोल उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में किए।

तहसीन मोहम्मद जमशेद (कतर)..

तहसीन का जन्म दोहा में मलयाली माता-पिता के घर हुआ था, जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे। वह 16 जून को 20 साल के हो जाएंगे। तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे। कतर में अकाउंटेंट जमशेद थालास्सेरी के रहने वाले हैं और उनकी मां श्यामा कन्नूर के पास वालापट्टनम की रहने वाली हैं।

तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया। उन्होंने जिम्बाब्वे (2025) और आयरलैंड (2026) के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी हिस्सा लिया है। उन्होंने अभी तक कोई गोल नहीं किया है।

ट्विंकल खन्ना की 26 साल पुरानी फिल्म, जिसके बाद हमेशा के लिए छोड़ दी एक्टिंग, खुद सुनाया था किस्सा..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म मेला के बाद अभिनय की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। आमिर खान के साथ आई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल साबित हुई थी।

इसके बाद ट्विंकल ने फिल्मों से दूरी बना ली और शादी के बाद लेखन की दुनिया में अपना नया सफर शुरू किया। अब उन्होंने मेला से जुड़ा एक ऐसा राज खोला है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। ट्विंकल ने बताया कि फिल्म में उन्होंने अभिनय तो खुद किया था, लेकिन उनकी आवाज किसी दूसरी कलाकार ने दी थी।

खुद किया था पूरा खुलासा..

हाल ही में अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में ट्विंकल ने इस बात का खुलासा किया। शो में फिल्म प्रमोशन के लिए पहुंचे वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के साथ बातचीत के दौरान ट्विंकल ने मेला की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, मुझे फिल्म में निभाया गया रूपा का किरदार बेहद पसंद है, लेकिन फिल्म में सुनाई देने वाली आवाज मेरी नहीं थी। निर्माताओं को लगा कि मैं अभिनय ठीक कर रही हूं, इसलिए डबिंग किसी और से करवा ली गई। ट्विंकल की यह बात सुनकर शो में मौजूद सभी मेहमान हंस पड़े। ट्विंकल खन्ना ने अपने करियर की शुरुआत साल 1995 में बॉबी देओल के साथ फिल्म बरसात से की थी। यह फिल्म सफल रही और ट्विंकल रातोंरात चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 90 के दशक में कई फिल्मों में काम किया। हालांकि, करियर के अंतिम दौर में उनकी ज्यादातर फिल्में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर सकीं। मेला में वह आमिर खान के अपोजिट नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन धर्मेश दर्शन ने किया था और इससे काफी उम्मीदें लगाई गई थीं।

हमेशा के लिए छोड़ दी एक्टिंग..

मेला के फ्लॉप होने के साथ ही ट्विंकल ने एक्टिंग छोड़ने का फैसला कर लिया। वह पहले भी कई इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि उन्होंने तय किया था कि अगर मेला सफल नहीं हुई तो वह फिल्मों से दूरी बना लेंगी। फिल्म के असफल होते ही उन्होंने अपने फैसले पर अमल किया। बाद में उन्होंने अभिनेता अक्षय कुमार से शादी की और लेखन को अपना पेशा बना लिया। आज ट्विंकल एक सफल लेखिका के रूप में पहचान रखती हैं और कई किताबें भी लिख चुकी हैं।

'कामयाबी के साथ दुश्मन भी बढ़ते हैं', रणवीर सिंह बैन पर कंगना रनौत का रिएक्शन, एक्टर को दी खास सलाह..

डेस्क जगप्रेरणा।

फरहान अख्तर के साथ 'डॉन 3' को लेकर हुए विवाद रणवीर सिंह लगातार चर्चा में हैं। अभिनेता के खिलाफ फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) के

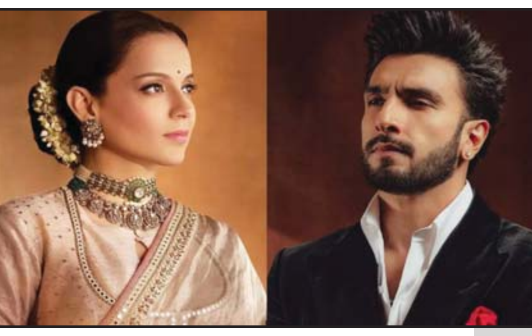

नॉन को-ऑपरेशनल नोटिस जारी किए जाने के बाद से ये मामला और भी गर्मा चुका है। **FWICE** के इस नोटिस ने बॉलीवुड में बहस छेड़ दी है। कई सेलिब्रिटी अभिनेता के समर्थन में आ चुके हैं। वहीं फिल्ममेकर टीपी अग्रवाल तो फेडरेशन ऑफवेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के खिलाफकोर्ट तक पहुंच गए हैं। अब कंगना रनौत ने भी इस पूरे मामले पर रिएक्शन दिया है। तो चलिए जानते हैं, कंगना ने रणवीर और उनके खिलाफ जारी नॉन को-ऑपरेशनल नोटिस को लेकर क्या कहा।

कंगना ने किया रणवीर का सपोर्ट..

कंगना रनौत अपनी अपकमिंग फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने एनडीटीवी से बात करते हुए रणवीर सिंह और डॉन 3 विवाद पर रिएक्ट करते हुए कंगना कहती हैं- 'मुझे तो सबने बैन कर रखा है। जब आपकी हैसियत बढ़ने लगती है तो आपके दुश्मन भी बढ़ने लगते हैं। तो ऐसा नहीं हो सकता कि आपकी हैसियत बढ़े और दुश्मन ना बढ़ें। तो उन्हें सोचना चाहिए कि उनकी क्या हैसियत है। विरोध करने वाले आपकी हैसियत के साथ बढ़ते जाते हैं, लेकिन आपको डरना या घबराना नहीं है।'

मैंने हार नहीं मानी- कंगना रनौत..

कंगना आगे कहती हैं कि चुनौतियां सफलता का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं और इन चुनौतियों से किसी को हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। कंगना अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं- 'जब आप जिंदगी में आगे बढ़ने लगते हैं, कई तरह की बाधाएं आपके रास्ते में आती हैं। हमेशा सब कुछ आसान नहीं हो सकता। कोई बात नहीं। सब ठीक है। आखिरी में सब ठीक होता है।'

कंगना की आने वाली फिल्म..

कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में हैं। मेकर्स ने हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया है, जिसमें 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान अस्पताल कर्मियों द्वारा दिखाई गई असाधारण बहादुरी देखने को मिलती है। फिल्म पूरी तरह से मुंबई हमले पर बेस्ड है। फिल्म का निर्देशक मनोज तपाड़िया ने किया है और कंगना के प्रोडक्शन बैनर 'मणिकर्णिका फिल्म्स' के तले बनी इस फिल्म में कंगना के साथ गिरजा ओक और स्मिता तांबे जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आएंगी। कंगना हमेशा ही अपने किरदारों में दमदार नजर आई हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है, जिसके चलते फैंस की उत्सुकता चरम पर है।

आमिर खान की 'लगान' 25 साल बाद फिर मचाएगी गदर, जीते थे 8 नेशनल अवॉर्ड, रिलीज हुआ खास ट्रेलर..

डेस्क जगप्रेरणा।

25 साल पहले सिनेमाघरों में आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लगान' ने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया था। इसने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की थी और उस साल बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक थी।

अब 25 साल पूरे होने पर यह फिल्म दोबारा रिलीज हो रही है, जिसका खास ट्रेलर मेकर्स ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। 'लगान' का नया ट्रेलर देख आपकी पुरानी यादें फिर से ताजा हो जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म की दमदार कहानी, बेहतरीन कलाकारों की टोली और शानदार संगीत ने इसे भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार फिल्म बना दिया है।

आमिर खान की लगान का सिनेमाघरों में 3 दिन रहेगा कब्जा..

'लगान' के 25 साल पूरे होने के जश्न में 12, 13 और 14 जून को सिनेमाघरों में फिर रिलीज के लिए तैयार है। जून के दूसरे हफ्ते में आप ये फिल्म बड़े पर्दे पर देख सकते हैं, जो तीन दिनों तक थिएटर में लगी रहेगी।

इस फिल्म के हर सीन ने दर्शकों पर एक गहरी छाप छोड़ी है। आमिर खान ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं और उसी में से एक 'लगान' है। 'लगान' की दोबारा रिलीज ने इस ऐतिहासिक कहानी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने का उत्साह बढ़ा दिया है। 15 जून 2001 को 'लगान' के साथ सनी देओल की फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' भी रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

लगान का खास ट्रेलर..

'लगान' का यह नया ट्रेलर सच में वक्त में पीछे ले जाने वाले एक सफर की तरह है, जो हमें इस फिल्म की 25 साल पुरानी कहानी और यादों से जोड़ता है। इसमें ग्रामीण भारत, आजादी से पहले का दौर, ब्रिटिश राज, लगान और भारत के लोगों की खूबसूरती को दिखाया है। साल 2001 में रिलीज हुई 'लगानः वन्स अपॉन अ टाइम इन इंडिया' का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर ने किया था। आमिर खान और ग्रेसी सिंह ने इसमें लीड रोल प्ल किया है। इसमें सुहासिनी मुले, कुलभूषण खरबंदा, राजेंद्र गुप्ता, रघुबीर यादव, राजेश विवेक, श्रीवल्लभ व्यास, राज जुत्शी, प्रदीप रावत, अखिलेन्द्र मिश्रा, दयाशंकर पांडेय, यशपाल शर्मा, अमीन हाजी, आदित्य लाखिया, जावेद खान और ए.के. हंगल जैसे कई कलाकार हैं।

कहानी-कास्ट नहीं, लगान के गाने भी हैं यादगार..

'लगान' में भारतीय कलाकारों के अलावा ब्रिटिश स्टार्स रेचल शेली और पॉल ब्लैकथॉर्न भी हैं। फिल्म की कहानी और कास्ट ही नहीं, बल्कि इसके संगीत भी बहुत जबरदस्त है। 8 नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी फिल्म 'लगान' का सगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया था, जिसमें 'घनन घनन', 'मितवा', 'राधा कैसे ना जले', 'ओ रे छोरी' जैसे आइकॉनिक गाने शामिल हैं। बता दें कि यह फिल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हो चुकी है। 49वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में इस फिल्म ने 'बेस्ट पॉपुलर फिल्म' समेत कुल आठ नेशनल अवॉर्ड्स अपने नाम किए थे।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

विमान ईंधन के दाम स्थिर बनाये रखने को 10,000 करोड़ रुपये का कोष, एयरलाइन कंपनियों को मिलेगी राहत..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत स्थिर बनाये रखने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष की मंजूरी दी। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों से एयरलाइन कंपनियों को

राहत देते हुए हवाई संपर्क को बनाये रखना और किराये में उतार-चढ़ाव पर अंकुश लगाना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना के तहत सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 10,000 करोड़ रुपये तक का ब्याज-मुक्त कर्ज दिया जाएगा। इससे वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अनुसूचित भारतीय एयरलाइंस को स्थिर कीमत पर एटीएफ की आपूर्ति कर सकेंगी।

इस सहायता की घोषणा ऐसे समय की गई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफकी कीमत मई में बढ़कर लगभग 142 रुपये प्रति लीटर हो गई जबकि मार्च में यह 60.50 रुपये प्रति लीटर थी। इससे विमानन कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है। एयरलाइंस में ईंधन खर्च परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत और कुछ मामलों में अत्यधिक अस्थिरता के समय 60 प्रतिशत तक होता है।

इस व्यवस्था के तहत, पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को तब क्षतिपूर्ति दी जाएगी जब अंतरराष्ट्रीय आयात समता मूल्य स्वीकृत प्रणाली के तहत निर्धारित मानक स्तर से अधिक हो जाएगा। वैश्विक ईंधन कीमतों में नरमी आने पर तेल कंपनियों को दी गई सहायता वापस ले ली जाएगी और एक निर्धारित समायोजन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त राशि को भारत की संचित निधि में वापस कर दिया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह बजटीय सहायता पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और पाकिस्तान के भारतीय एयरलाइंस के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने के कारण विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बीच एयरलाइन कंपनियों को राहत देगी।

फरवरी के अंत में शुरू हुए पश्चिम एशिया संकट के बाद हाल के हफ्तों विमान ईंधन के दाम तेजी से बढ़े हैं। वैष्णव ने कहा कि यह कोष भारतीय अनुसूचित भारतीय एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफकी कीमतों को स्थिर करने और संचालन में बाधा को रोकने में मददगार होगा।

उन्होंने कहा कि इस कोष से, जब तक संकट बना रहेगा, एयरलाइंस को एटीएफस्थिर कीमत पर मिलेगा और संकट समाप्त होने के बाद, इसमें शामिल एयरलाइंस को यह राशि वापस करनी होगी।

मंत्री के अनुसार, यह कोष वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि के कारण हवाई यात्रियों को किराये में होने वाली वृद्धि से बचाएगा और साथ ही विमानन परिवेश से जुड़े 77 लाख रोजगार को भी बनाये रखेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह बजटीय सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अनुदान मांगों के माध्यम से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को ब्याज-मुक्त कर्ज के रूप में दी जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की कीमतों में अस्थिरता के इस दौर में एयरलाइंस के लिए एटीएफकी स्थिर कीमत सुनिश्चित करने के लिए तेल कंपनियों को यह सहायता प्रदान की जाएगी। बयान के अनुसार, जब भी आयात समता मूल्य स्वीकृत व्यवस्था के तहत निर्धारित मानक मूल्य से अधिक होगा, यह कोष पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को बढ़े हुए अंतरराष्ट्रीय एटीएफ मूल्यों से होने वाले नुकसान की भरपाई करेगा। इसमें कहा गया, ''अंतरराष्ट्रीय एटीएफ की कीमतों में नरमी आने पर, अंतर वाली राशि तेल विपणन कंपनियों से ली जाएगी और भारत की संचित निधि में वापस कर दी जाएगी। यह व्यवस्था तब तक जारी रहेगी जब तक कि पूरी सहायता राशि वसूल नहीं हो जाती और उसका निपटान नहीं हो जाता।''

एटीएफमूल्य स्थिरीकरण सहायता 36 महीनों की अवधि के लिए लागू रहेगी। इसमें वार्षिक समीक्षा या दी गयी राशि की पूरी वसूली/निपटान होने तक, जो भी पहले हो, का प्रावधान है।

वैष्णव ने कहा कि यह कोष हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश की सुरक्षा में मदद करेगा। इससे हवाई संचालन व्यावहारिक बना रहेगा और पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के बीच यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया से हवाई संपर्क जारी रहेगा।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण भारतीय एयरलाइंस अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लंबे मार्गों का उपयोग कर रही हैं। इसका मतलब है कि पिछले वर्ष की शुरुआत से ईंधन की खपत बढ़ गई है।

घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफकी कीमत की सीमा तय की गई है, लेकिन भारतीय एयरलाइंस अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आयात समता मूल्य पर ईंधन खरीदना जारी रखे हुए हैं, जिससे उन्हें ईंधन की ऊंची लागत का सामना करना पड़ रहा है। बयान में कहा गया है कि हालांकि, एटीएफकी कीमतों पर सीमा लगाना एक अस्थायी उपाय है और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के लिए दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ नहीं है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान एटीएफकी अस्थिर और बढ़ती कीमतों के कारण विमान ईंधन के मूल्य पर सीमा लगाने के कारण तेल कंपनियों को नुकसान भी हो रहा है।

रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ 95.76 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) द्वारा श्रम उल्लंघनों का हवाला देते हुए भारतीय आयात पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने के प्रस्ताव के बाद बुधवार को रुपया 40 पैसे टूटकर 95.76 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर की मजबूत मांग, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिका-ईरान के बीच तनाव और विदेशी कोषों की भारी निकासी ने भी निवेशकों के विश्वास को और कमजोर कर दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.43 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान 95.80 के निचले स्तर पर रहा और कारोबार के अंत में 95.76 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की भारी गिरावट है।

मंगलवार को रुपया 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच ताजा तनाव और रुकी हुई बातचीत के बीच अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की कार्रवाई से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने बंधुआ मजबूती से उत्पादित वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने में विफल रहने पर भारत सहित 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''पूंजी की निकासी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नवीनतम शुल्क प्रस्तावों पर बढ़ती चिंताओं के कारण रुपया लगातार दूसरे सत्र में गिर गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को भी बढ़ा दिया, जिससे निवेशकों की धारणा को और नुकसान हुआ। इसके अलावा, मजबूत डॉलर और बढ़ते बॉन्ड प्रतिफल ने क्षेत्रीय मुद्राओं पर दबाव जारी रखा।''

इस बीच, निवेशकों की नजर अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक तीन से पांच जून तक निर्धारित है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी पांच जून को अपने निर्णयों की घोषणा करेगी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत बढ़कर 99.34 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.76 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 98.65 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 303.67 अंक घटकर 74,346.17 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 77.95 अंक गिरकर 23,405.60 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने बुधवार को शुद्ध रूप से 5,616.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

गर्मी के फसल की आवक बढ़ने से मूंगफली तेल - तिलहन में गिरावट..

नई दिल्ली, (भाषा)।

गर्मी की मूंगफली फसल की आवक बढ़ने से बुधवार को मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। सोयाबीन प्लांट वालों द्वारा खरीद दाम घटाने से सोयाबीन तिलहन के दाम में भी गिरावट रही।

शिकॉगो एक्सचेंज मजबूत होने से सोयाबीन तेल, चार दिन तक बंद रहने के बाद मलेशिया एक्सचेंज में आज लगभग तीन प्रतिशत की मजबूती और मांग बढ़ने से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल में सुधार दर्ज हुआ। नगण्य उपलब्धता के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया।

ऊंचे भाव के कारण लिवाली प्रभावित रहने के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। शिकॉगो एक्सचेंज में मजबूती जारी है। मलेशिया एक्सचेंज शाम लगभग तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली की गर्मी की फसल की आवक बढ़ने के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट आई। मूंगफली तेल का भाव बिनौला रिफाइंड से भी नीचे हो गया है। सरकार के पास जो मूंगफली का स्टॉक बचा हुआ है, वह उसे भी बेच रही है।

उन्होंने कहा कि सोयाबीन प्लांट वालों द्वारा सोयाबीन का खरीद दाम 200-250 रुपये प्रति क्विंटल तक घटाये जाने की वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। दूसरी ओर शिकॉगो एक्सचेंज मजबूत रहने की वजह से सोयाबीन तेल के दाम में सुधार आया। देखा जाये तो आयातक अभी भी लागत से नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम और पाम-पामोलीन तेल बेच रहे हैं। तीन-चार दिन की छुट्टी के बाद मलेशिया एक्सचेंज तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत बंद हुआ। इसके अलावा मांग बढ़ने की वजह से पाम-पामोलीन तेल के दाम में भी सुधार आया। नगण्य उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल में भी सुधार है। ऊंचे भाव पर लिवाली प्रभावित रहने के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे :

सरसों तिलहन - 7,850-7,875 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,675-7,150 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,500 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,850 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,625-2,725 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,625-2,770 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,900 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,850 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,300 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 14,100 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 16,000 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,850 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,650 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन लूज- 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल।

आईटी शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल के दाम चढ़ने से सेंसेक्स 304 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में..

मुंबई, (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र की तेजी के बाद बुधवार को फिर गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी नुकसान में रहे।

विश्लेषकों के अनुसार, आईटी शेयरों में भारी बिकवाली, कच्चे तेल की कीमत में फिर से तेजी और संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 303.67 अंक यानी 0.41 प्रतिशत टूटकर 74,346.17 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,157.24 अंक तक लुढ़क गया था।

पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 77.95 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,405.60 अंक पर बंद हुआ।

दोनों मानक सूचकांकों में मंगलवार को चार दिन की गिरावट के बाद लगभग आधा प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी थी।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 8.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। टेक महिंद्रा (6.23 प्रतिशत), एचसीएल टेक (5.25 प्रतिशत) और इन्फोसिस (3.82 प्रतिशत) भी नुकसान में रहीं। इसके अलावा आईटीसी, इटर्नल, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट आई।

दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट शामिल हैं।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड तीन प्रतिशत बढ़कर 98.92 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 8,362.92 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद घरेलू बाजार शुरुआती नुकसान से तेजी से उबरे। यह उछाल मुख्य रूप से बैंकिंग शेयरों में आई तेजी के कारण आया। हालांकि, मुनाफावसूली और वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।''

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजार में आज एक बार फिर अत्यधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक तनाव को लेकर चिंता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार दबाव में खुले।''

उन्होंने कहा कि आज की सबसे महत्वपूर्ण बात आईटी क्षेत्र में आई भारी बिकवाली है।

हरिप्रसाद ने कहा, ''... निवेशकों द्वारा वैश्विक प्रौद्योगिकी विकास की उम्मीदों का आकलन करने के कारण इस क्षेत्र में भारी मुनाफावसूली देखने को मिली।''

मझोली कंपनियों का सूचकांक बीएसई मिडकैप सेलेक्ट 0.73 प्रतिशत नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सेलेक्ट 0.15 प्रतिशत टूटा।

बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 2,400 शेयर नुकसान में रहे। 1812 शेयरों में तेजी आई जबकि 174 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट उच्च स्तर पर बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। दक्षिण कोरियाई बाजार अवकाश के कारण बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक स्तर पर बंद हुए थे।

सेंसेक्स मंगलवार को 382.50 अंक चढ़कर 74,649.84 अंक और निफ्टी 100.95 अंक की मजबूती के साथ 23,483.55 अंक पर बंद हुआ था।

सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के प्रवर्तक - सीईओ पर कंपनी के शेयरों में लेन-देन की रोक लगाई

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रवर्तक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश मेहता पर कंपनी की प्रतिभूतियों में लेन-देन करने की रोक लगा दी।

उनपर वित्तीय विवरण में बड़े पैमाने पर भ्रामक जानकारी देने और धन के गबन का आरोप लगाया गया है। सेबी ने कंपनी को सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा प्रावधान (एलओडीआर) विनियमों के तहत अपने वित्तीय विवरणों, संबंधित पक्ष लेनदेन आदि का सही एवं निष्पक्ष खुलासा करने का भी निर्देश दिया।

सेबी ने 109 पृष्ठ के अंतरिम आदेश में कहा कि उसकी जांच में वित्तीय विवरणों में गलत या भ्रामक जानकारी पेश करने के साथ-साथ व्यक्तिगत खातों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से धन के इधर-उधर करने के मामले सामने आए हैं। धन को इधर-उधर करने के लिए कोई पर्याप्त खुलासा या दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

भारत - अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, केवल एक प्रतिशत मुद्दों पर बातचीत जारी: सर्जियो गोर

मुंबई, (भाषा)।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता लगभग 99 प्रतिशत पूरा हो चुका है और दोनों देश शेष एक प्रतिशत लंबित मुद्दों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बहुप्रतीक्षित समझौते पर अगले कुछ सप्ताह में हस्ताक्षर हो सकते हैं। मुंबई में 'सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस' में गोर ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल इस समय समझौते पर बातचीत के लिए भारत में है।

एक अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए भारत और अमेरिका के शीर्ष वार्ताकारों ने मंगलवार को तीन दिवसीय वार्ता शुरू की। समझौते का प्रारूप फरवरी में तैयार कर लिया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं, जबकि भारत की ओर से वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार हैं।

गोर ने कहा, ''अंतरिम व्यापार समझौते का अधिकांश हिस्सा तय हो चुका है। अब केवल एक प्रतिशत मुद्दा बचा है, जिसे अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के नेता इस पर हस्ताक्षर कर इसे औपचारिक और कानूनी रूप दे सकें।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि यह काम अगले कुछ सप्ताह में पूरा हो जाएगा। इसमें वर्षों नहीं लगेंगे। हम समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं।'' गोर ने 11 और 12 मार्च, 2026 को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) द्वारा बंधुआ मजदूरी और अतिरिक्त औद्योगिक क्षमता से जुड़े मुद्दों पर 60 देशों के खिलाफधारा-301 के तहत शुरू की गई जांच पर भी प्रतिक्रिया दी। यूएसटीआर ने दो जून को बंधुआ मजदूरी से संबंधित जांच के निष्कर्ष जारी करते हुए 60 अर्थव्यवस्थाओं से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। गोर ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क वैश्विक स्तर पर लागू किए गए हैं और उनका लक्ष्य विशेष रूप से भारत नहीं है। उन्होंने कहा, ''ये शुल्क केवल भारत पर नहीं लगाए गए हैं। ये यूरोपीय संघ, कनाडा, मेक्सिको और जापान तथा दक्षिण कोरिया सहित एशिया के लगभग सभी देशों पर लागू किए गए हैं।'' गोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनवरी, 2021 से जनवरी, 2025 के बीच ट्रंप के सत्ता से बाहर रहने के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी उनके संपर्क में बने रहे। गोर ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी आमतौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना नहीं करते। ट्रंप के पद पर नहीं रहने के दौरान भी वह उनके संपर्क में रहे और राष्ट्रपति इसे याद रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच मित्रता विशेष महत्व रखती है। गोर के अनुसार, कठिन समय में साथ निभाने वाले मित्रों को राष्ट्रपति ट्रंप विशेष रूप से महत्व देते हैं और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनकी यही भावना है।

देश विदेश

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

भारत को रूस से मिला चौथा S-400 'सुदर्शन' स्काड्रन, और मजबूत होगा देश का एयर डिफेंस..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारत की लंबी दूरी की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने के लिए रूस से S-400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम का चौथा स्काड्रन भारत पहुंच गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार यह प्रणाली कुछ दिन पहले जहाज के जरिए भारत लाई गई

और जल्द ही इसे एक महत्वपूर्ण ऑपरेशनल क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। S-400 'सुदर्शन' सिस्टम भारत और रूस के बीच वर्ष 2018 में हुए रक्षा समझौते का हिस्सा है। इस समझौते के तहत भारत को कुल 5 स्-400 स्काड्रन मिलने हैं। इनमें से 3 स्काड्रन 2 वर्ष पहले ही भारत पहुंच चुके थे, जबकि बाकी के 2 स्काड्रनों की सप्लाई में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण देर हो गई थी।

कुछ महीनों में पहुंचेगा पांचवां स्काड्रन..

रक्षा सूत्रों का कहना है कि S-400 प्रणाली का पांचवां और अंतिम स्काड्रन भी अगले कुछ महीनों में भारत पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारत के पास इस अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम की पूरी निर्धारित संख्या उपलब्ध हो जाएगी। इस बीच, रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने S-400 के 5 अतिरिक्त स्काड्रन खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इससे भारत की हवाई सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' में दिखाई थी ताकत..

S-400 'सुदर्शन' ने हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। रक्षा सूत्रों के अनुसार इस प्रणाली ने पाकिस्तान वायुसेना की क्षमताओं को प्रभावी ढंग से चुनौती दी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान S-400 ने 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर उड़ रहे पाकिस्तान वायुसेना के एक अत्यंत महत्वपूर्ण निगरानी विमान को मार गिराया था। इसे सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली द्वारा दर्ज की गई सबसे लंबी दूरी की सफल कार्रवाई माना जा रहा है।

स्वदेशी विकल्प पर भी काम है जारी..

भारत केवल विदेशी प्रणालियों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। इसी दिशा में देश 'प्रोजेक्ट कुशा' नामक स्वदेशी एयर डिफेंस कार्यक्रम पर भी काम कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य ऐसा भारतीय वायु रक्षा तंत्र विकसित करना है जो S-400 की तरह लंबी दूरी पर दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और ड्रोन को निशाना बना सके। इस परियोजना में भारतीय रक्षा कंपनी 'सोलर इंडस्ट्रीज' विकास और उत्पादन साझेदार के रूप में शामिल है।

क्या है S–400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम?

S-400 ट्रायम्फ, जिसे भारत में 'सुदर्शन' नाम दिया गया है, रूस द्वारा विकसित दुनिया के सबसे आधुनिक लंबी दूरी के वायु रक्षा प्रणालियों में से एक है। यह एक साथ कई हवाई खतरों की पहचान, ट्रैकिंग और उन्हें नष्ट करने की क्षमता रखता है। S-400 लड़ाकू विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल और निगरानी विमानों को लंबी दूरी से ही निशाना बना सकता है। इसकी शक्तिशाली रडार प्रणाली सैकड़ों किलोमीटर दूर तक लक्ष्यों का पता लगा सकती है और एक साथ कई लक्ष्यों पर कार्यवाही कर सकती है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे प्रभावी एयर डिफेंस सिस्टम में गिना जाता है।

कुवैत पर हुए ईरानी हमले में 1 भारतीय नागरिक की मौत, एयरपोर्ट को बनाया गया था निशाना...

डेस्क जगप्रेरणा।

Middle-East *में बढ़ती टेंशन के बीच कुवैत पर हुए ईरान के मिसाइल-ड्रोन अटैक में 1 भारतीय नागरिक की जान चली गई है। भारतीय दूतावास ने इस घटना की पुष्टि कर दी है।*

बताया जा रहा है कि इस हमले का मुख्य निशाना कुवैत एयरपोर्ट था। इस अटैक ने कुवैत और खाड़ी देशों की सुरक्षा के बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

सीजफायर टूटने के बाद फिर शुरू हुए हमले..

अमेरिका-ईरान के बीच डील की खबरें चल ही रही थीं कि इधर वॉर पार्ट टू का ट्रेलर भी आ गया है। ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले कर दिए। बैलिस्टिक मिसाइलें बैक टू बैक चलने लगीं। दरअसल, ये हमला उस अमेरिकी हमले का जवाब था जो होर्मुज के पास किया गया।

ईरान ने दिया खार्ग आईलैंड के पास हमले का जवाब..

ईरान ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना ने खार्ग आईलैंड के पास IRGC के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद ईरान ने बहरीन और कुवैत पर अटैक शुरू कर दिए। IRGC ने बहरीन में S नेवी की 5वीं फ्लीट पर हमले का दावा किया है।

अमेरिका ने किया ईरानी मिसाइलों को हवा में मारने का दावा..

हालांकि, सेंटकॉम ने ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने का दावा किया है। उधर, IRGC के वॉरटाइम हेडक्वॉर्टर ख़तम-अल-अनबिया कमांड ने भी आस्तीनें चढ़ा ली हैं और साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका और इजरायल माफी नहीं मांग लेते तब तक हमले करते रहेंगे।

56 दिन बाद फिर होने लगा मिसाइल का वार..

गौरतलब है कि 28 फरवरी से 8 अप्रैल तक अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच भीषण रण हुआ। पूरी दुनिया इसका खामियाजा आज तक भुगत रही है। फिर 8 अप्रैल से सीजफायर लागू हुआ और इसके ठीक 56 दिन बाद मिसाइलें फिर से दागी जाने लगीं।

डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर उठे सवाल..

पहले समझिए कि ट्रंप के डील वाले दावों में कितना दम है। दरअसल, ईरानी और कुछ अमेरिकी मीडिया, ट्रंप के दावों को हवा-हवाई बता रही है। उनका कहना है कि ईरान और अमेरिका में कोई वार्ता नहीं हो रही है। पिछले कई दिनों से कोई कॉन्टैक्ट नहीं है। ईरान ने आखिरी बार लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी थी, फिर कोई बातचीत नहीं हुई है।

ईरान जो 47 साल से कर रहा वो अब नहीं होगा– ट्रंप..

लेकिन इस पर डोनाल्ड ट्रंप भड़क गए। उन्होंने इन खबरों को फेक न्यूज बताते हुए दावा किया,

पाकिस्तान में हुई वार्ता भी रही बेनतीजा..

जान लें कि अमेरिका और ईरान के युद्ध को रोकने के लिए पाकिस्तान में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल ने वार्ता की थी लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला था। अमेरिका और ईरान एक तरह की शर्तों पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं।

संभल से हुआ गायब, दिल्ली में पेड़ से लटकी मिली बच्चे की लाश; पिता को बेटी के ससुराल वालों पर हत्या का शक..

डेस्क जगप्रेरणा।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के धनारी थाना क्षेत्र से गत 31 मई से लापता 15 वर्षीय किशोर का शव दिल्ली के आनंद विहार इलाके में पेड़ से लटके मिलने से सनसनी फैल गई। शव गांव पहुंचते ही आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए

आगरा-मुरादाबाद हाईवे को जाम करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों की कड़ी मशक्कत और समझाने-बुझाने के बाद करीब दो घंटे बाद मामला शांत हो सका।

काम सीखने गया था 15 वर्षीय गोलू..

जानकारी के अनुसार, धनारी थाना क्षेत्र के गांव बिचपुरी भूड़ निवासी गोलू उर्फ अंशु (15 वर्ष) बहजोई कोतवाली क्षेत्र के पाठकपुर में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर काम सीखने के लिए जाता था। बीते 31 मई को भी वह दुकान पर गया था, लेकिन शाम तक वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, मगर कोई सुराग न मिलने पर 31 मई को ही पुलिस को उसकी गुमशुदगी की सूचना दे दी थी।

आनंद विहार में पेड़ से लटका मिला शव..

लापता किशोर की तलाश के बीच, 2 जून को दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे के पीछे एक सुनसान जंगली इलाके में उसका शव पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान गोलू उर्फ अंशु के रूप में की। दिल्ली में शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद बुधवार को शव को वापस संभल लाया गया।

जैसे ही किशोर का शव पैतृक गांव बिचपुरी भूड़ पहुंचा, परिजनों का धैर्य जवाब दे गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर शव रखकर जाम लगाने का प्रयास किया।

मौके पर पहुंचे भारी पुलिस बल और उच्चाधिकारियों को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। लगभग दो घंटे तक चली कड़ी मशक्कत और निष्पक्ष कार्रवाई के ठोस आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

'जो कभी बाहर नहीं गया, वो दिल्ली कैसे पहुंचा?'

मृतक किशोर के पिता ने इस मामले में अपनी बेटी के ससुराल पक्ष के कुछ लोगों पर बेटे के अपहरण और हत्या का सीधा शक जताया है। पीड़ित पिता का कहना है कि बेटी की ससुराल वालों से पुराना विवाद चल रहा है, जिसका कोर्ट में मुकदमा भी चल है। इसी रंजिश के चलते बेटे को निशाना बनाया गया है। परिवार का यह भी सवाल है कि जो किशोर गांव और आस-पास के क्षेत्र से बाहर नहीं जाता था, वह दिल्ली तक कैसे पहुंचा।

पुलिस का कहना है कि किशोर 31 मई से लापता था और उसका शव दिल्ली में मिला है। पिता द्वारा लगाए गए आरोपों और अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल, मामले में मौत के कारण और परिस्थितियों को लेकर जांच जारी है।

महाराष्ट्र के तीन जिलों में अवैध शराब बनाने-बेचने के आरोप में 213 लोग गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पुणे में जहरीली शराब पीने से कम से कम 15 लोगों की मौत के बाद महाराष्ट्र के आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए पांच दिनों के भीतर 213 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इन लोगों को राज्य के तीन तटीय जिलों से अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुणे की घटना के बाद आबकारी विभाग ने तटीय कोंकण क्षेत्र में अवैध शराब इकाइयों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है और इस संबंध में 313 मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों से कुल 213 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कोंकण के संभागीय उपायुक्त (आबकारी) प्रदीप पवार ने कहा, 'राज्य के वरिष्ठ आबकारी अधिकारियों के निर्देश पर 29 मई से 2 जून के बीच इन तीनों जिलों में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अवैध शराब निर्माण और बिक्री के अड्डों पर छापेमारी की गई और 1.58 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त कर नष्ट की गई।'

उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग की दलों ने तीनों जिलों के चिन्हित संवेदनशील इलाकों में दर्जनों अवैध भट्टियों को ध्वस्त कर दिया है। इनमें ठाणे जिले में खाड़ी के किनारे और दूरदराज के इलाके तथा पालघर व रायगढ़ के वे क्षेत्र शामिल हैं जो अवैध शराब उत्पादन के लिए कुख्यात हैं। पवार ने कहा, 'अभियान के दौरान अवैध शराब के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले आठ वाहनों को भी जब्त किया गया है।'

ढाई महीने पहले हुई थी 12 साल के बेटे की मौत

पिता ने जताया हत्या का शक तो पुलिस ने जमीन से निकाला शव..

डेस्क जगप्रेरणा।

महाराष्ट्र के जलगांव के धरनगांव तहसील के रेल गांव में क्रिकेट खेलते समय 12 साल के गणेश नवल पाटिल की मौत का मामला फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल ये घटना मार्च में हुई थी लेकिन उसके पिता को शक था कि उसकी हत्या हुई है। आखिरकार, ढाई महीने बाद गणेश की बॉडी कब्र से बाहर निकाली गई। उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है। रिपोर्ट से उसकी मौत का सही कारण पता चलेगा।

15 मार्च 2026 को हुई थी मौत..

12 साल के गणेश नवल पाटिल की मौत 15 मार्च को हुई थी। कहा गया कि क्रिकेट खेलते समय उसकी मौत हो गई। लेकिन उसके पिता को यकीन नहीं हुआ। उन्हें शक था कि उनके बेटे की हत्या हुई है। डेढ़ महीने से ज़्यादा समय तक वह अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए पुलिस स्टेशन से लेकर सीनियर पुलिस अधिकारियों के ऑफिस तक चक्कर लगाते रहे। इंसाफ के लिए भागदौड़ जारी थी।

आखिरकार, ढाई महीने बाद जमीन में दबी गणेश की बॉडी बाहर निकाली गई। गणेश के पिता नवल पाटिल ने आरोप लगाया कि पुराने झगड़े में उसके दोस्त ने ही सीने में बैट मारकर उसकी हत्या की है। फोरेंसिक टीम, पुलिस और तहसीलदार की मौजूदगी में बॉडी बाहर निकाली गई। शव को देखकर पिता फूट-फूटकर रोने लगे। पंचनामा के बाद, बॉडी को ऑटोप्सी के लिए धुले के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल भेज दिया गया।

जिस कलेजे के टुकड़े को पिता ने प्यार से 12 साल तक पाला, आज वह कंकाल के रूप में सामने दिखा तो पिता बेसुध हो गए। जलगांव के धरनगांव तालुका के रेल गांव के 12 साल के गणेश नवल पाटिल की संदिग्ध मौत के मामले में पिता के शक जताने पर पुलिस ने मामले की नए सिरे से जांच शुरू कर दी है। इसी के तहत आज फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम, पुलिस अधिकारियों और धरणगांव के तहसीलदार की मौजूदगी में गांव के पास नदी के किनारे दफनाए गए गणेश नवल पाटिल के शव को ढाई महीने बाद बाहर निकाला गया। यह पूरी प्रक्रिया एडमिनिस्ट्रेशन की निगरानी में कैमरे में की गई। इस बीच, अपने इकलौते बेटे का कंकाल देखकर पिता नवल पाटिल बेसुध हो गए। इसके बाद शव को आगे की जांच और ऑटोप्सी के लिए धुले के हीरे गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है। अब गणेश की मौत का सही कारण ऑटोप्सी रिपोर्ट से ही सामने आएगा, और इस मामले के पीछे का सच क्या है?, इस पर पूरे जिले की नजर है।

हजारीबाग में भाई-बहन की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

झारखंड पुलिस ने बुधवार को हजारीबाग जिले में 27 मई से लापता दो बच्चों का कथित तौर पर अपहरण और हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कोरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंदूर पंचायत भवन के पास स्थित एक जलाशय के पास से दोनों भाई-बहन के शव बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि 11 वर्षीय लड़की का शव 31 मई को मिला था, जबकि उसके तीन वर्षीय भाई का शव सोमवार को बरामद किया गया।

हजारीबाग पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार ने बताया, 'आरोपी संजीत पासवान को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को उस समय गिरफ्तार किया जब वह भागने की कोशिश कर रहा था। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद उसकी पहचान हुई, जिसमें वह लड़की के साथ स्कूटर पर नजर आ रहा था। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।' एसपी ने बताया कि आरोपी की उस लड़की से जान-पहचान हो गई थी। वह अपने छोटे भाई के साथ उस शोरूम के पास खिलौने और गुब्बारे बेचा करती थी, जहां आरोपी पिछले दो महीनों से काम कर रहा था। अधिकारी ने बताया, घटना वाले दिन उसने बच्चों को खाना खिलाने के बहाने स्कूटर पर बिठाया। फिर वह उन्हें पंचायत भवन के पास एक श्मशान घाट ले गया, जहां उसने लड़की के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। जब लड़की ने विरोध किया और चिल्लाई, तो आरोपी ने पकड़े जाने के डर से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर उसके भाई को भी मार डाला।

आरोपी सिंदूर गांव का रहने वाला है। उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके घर से स्कूटर और अपराध में इस्तेमाल किया गया प्लास्टिक का बोरा बरामद किया। पीड़ित का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फैजाबाद का रहने वाला है और बाजारों में खिलौने और गुब्बारे बेचकर अपना जीवन यापन करता है, जिसमें दोनों बच्चे उनकी मदद करते हैं।

भाई-बहनों के पिता ने उनके लापता होने के दो दिन बाद, 29 मई को कटकमदाग पुलिस थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

मालवीय नगर अग्निकांडः पुलिस ने होटल मालिक व उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर स्थित उस होटल के मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है, जहां बुधवार को भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दक्षिण दिल्ली के घनी आबादी वाले हौज रानी इलाके में स्थित 'फ्लोरिश स्टे बीएंडबी' में आग लगने के कुछ घंटों बाद बजाज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इससे पहले बजाज और

उसकी पत्नी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। अधिकारियों ने बताया कि इलाके की एक भीड़भाड़ वाली गली में स्थित होटल में आग लग गई, जो कथित तौर पर बिना अग्नि संबंधी अनापत्ति प्रमाण (एनओसी) के चल रहा था। इस आग में कम से कम 21 लोग मारे गए, जिनमें 10 भारतीय, नौ अफ्रीकी नागरिक और तुर्कमेनिस्तान के दो नागरिक शामिल है। आग लगने के बाद कम से कम 58 लोगों को इमारत से निकाला गया और उन्हें अस्पतालों में ले जाया गया जिनमें से 21 लोगों की मौत हो गई थी।

पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता की अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस प्रतिष्ठान से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

जग प्रेरणा

गोंदिया भंडारा ग्रामीण

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

राकेश रोकड़े सालेकसा

मो. 9049200353

विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन पर

जलाराम लॉन में सुबह 11 बजे से आज अनेक सेवाकार्यों का आयोजन..

दिव्यांगो को ट्राईसिकल वितरण के साथ ही रक्तदान, वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण कार्यक्रम होंगे आयोजित..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल का आज 04 जून को जन्मदिवस सेवाकार्यों के साथ जलाराम लॉन में मनाया जायेगा। विधायक विनोद अग्रवाल जन्मदिन के अवसर

पर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जलाराम लॉन में उपस्थित रहेंगे, तथा आम नागरिकों से मुलाकात करते हुए शुभकामनाएं स्वीकार करेंगें इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विविध सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सेवा कार्यक्रमों के अंतर्गत विधायक विनोद अग्रवाल की उपस्थिति में भव्य रक्तदान शिविर, दिव्यांगों को ट्राईसिकल वितरण, वृक्षारोपण किया जायेगा, तथा वृक्षभेंट भी किये जाएंगे।

विधायक विनोद अग्रवाल ने जन्मदिन के शुभ अवसर पर आगंतुकों से किसी भी प्रकार के पुष्पगुच्छ, पुष्पहार, फुल माला आदि ना लाकर जनसेवा के कार्य करने की अपील की है।

गोंदिया मे अन्न एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नियम विरुद्ध और संदिग्ध सोयाबीन तेल का बड़ा स्टॉक जब्त कर भेजा गया जांच के लिये..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अन्न एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देशानुसार राज्य में मिलावटी, घटिया और मानकों का उल्लंघन करने वाले खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के खिलाफएक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अन्न एवं औषधि प्रशासन, गोंदिया की खाद्य सुरक्षा टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 1 जून 2026 को एक बड़ी कार्रवाई की।

गोंदिया शहर के नगर परिषद क्षेत्र में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठान 'मेसर्स गुरुनानक चिरौंजी भंडार' का खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अचानक और सघन निरीक्षण किया गया। यह जांच कार्रवाई प्रतिष्ठान के मालिक किशोर कन्हैयालाल नागदेव (उम्र 42 वर्ष) की प्रत्यक्ष उपस्थिति में पूरी की गई। निरीक्षण के दौरान बाजार में बिक्री के लिए स्टॉक करके रखा गया 'कुबेर' ब्रांड का रिफाइंड सोयाबीन तेल खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार अत्यंत घटिया और अप्रमाणित होने का टीम को गहरा संदेह हुआ। इस तेल को रिपैक (दोबारा पैक) करने के लिए पहले से इस्तेमाल किए गए पुराने और दूषित टिन के डिब्बों का धड़ल्ले से उपयोग किए जाने का संदेह टीम को हुआ। इन गंभीर मामलों को तुरंत संज्ञान में लेते हुए, खाद्य सुरक्षा टीम ने उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 688.4 किलोग्राम रिफाइंड सोयाबीन तेल का स्टॉक मौके पर ही जब्त कर लिया। जब्त किए गए इस माल की कुल बाजार कीमत 1 लाख 37 हजार 680 रुपये है।

जब्त किए गए सोयाबीन तेल के आधिकारिक खाद्य नमूने (सैंपल्स) कानून के अनुसार एकत्र किए गए हैं और उन्हें आगे के रासायनिक विश्लेषण व प्रयोगशाला (लैब) जांच के लिए भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, संबंधित दोषी व्यक्ति और फर्म के खिलाफखाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बड़ी और सफल कार्रवाई को सहायक आयुक्त अमृता शिर्के और संयुक्त आयुक्त (नागपुर) कृष्णा जयपुरकर के मार्गदर्शन में, गोंदिया कार्यालय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओ.डी. लांजेवार ने बेहद कुशलता से अंजाम दिया।

नागरिकों से की अपील..

अन्न एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने नागरिकों से अपील की है कि यदि बाजार में बिकने वाले किसी भी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता या शुद्धता को लेकर कोई संदेह हो, या मिलावट की जानकारी मिले, तो वे तुरंत अन्न एवं औषधि प्रशासन से संपर्क करें। शिकायत करते समय नागरिक अपना नाम, पता और संपर्क नंबर (मोबाइल नंबर) दर्ज करें। साथ ही शिकायत में उस स्थान या प्रतिष्ठान का सटीक पता और किस खाद्य पदार्थ में मिलावट की जा रही है, इसकी विशिष्ट जानकारी स्पष्ट रूप से दें।

जाहीर सूचना

मेरे पक्षकार श्री पराग महेशकुमार अग्रवाल और श्री संदीप विष्णुकुमार अग्रवाल की ओर से जन सामान्य के संज्ञान में यह लाना चाहता हुं कि मेरे उक्त पक्षकारों ने श्रीमती दक्षा ओमप्रकाश शर्मा एवं कुमारी गुंजन ओमप्रकाश शर्मा से दि. 14.10.2010 को उनकी मलकी की संपत्ति प्लॉट क्र. 4/2, 4/6, 4/7, 4/9, 4/11, 5/1 एवं 5 (2) / 2 जिसका नगर परिषद मांग क्र. 39/399, शीट क्र. 12, ओल्ड अंसारी वर्ड, नया प्रताप वार्ड जो कि नगर परिषद गोंदिया की सीमा में स्थित: हैं और जिसका कुल क्षेत्रफल 9030 चौ. फुट (838.08 चौ. मीटर) हैं का विक्री करारनामा किया था तथा उनके द्वारा विक्रीपत्र पंजीकृत नहीं करने के कारण उनके विरुद्ध मा. दीवानी न्यायालय, गोंदिया में विशेष वाद क्र. 14/2017 दाखिल किया था जिसमे श्रीमती इंदिरा कैलाश शर्मा ने हस्तक्षेप किया था। मा. न्यायालय ने उनके खिलाफब्याज सहित बयाना रकम लौटाने का आदेश दिया था और उस निर्णय से संतुष्ट न होने के कारण मेरे पक्षकारों ने मा. मुंबई उच्च न्यायालय, नागपूर खंडपीठ में प्रथम अपील दाखिल की हैं जो विचाराधीन हैं। मेरे पक्षकारों को विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि श्रीमती दक्षा ओमप्रकाश शर्मा एवं कुमारी गुंजन ओमप्रकाश शर्मा ने उक्त अचल संपत्ति का किसी अन्य व्यक्ति से बिक्री का करार किया है और अचानक पिछले 2 दिनों से उक्त अचल संपत्ति पर स्थित मकान को तोड़ने के तीव्र गति से प्रयास शुरू हो गए है और मेरे पक्षकारों को यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अवैध रूप से उक्त अचल संपत्ति को हस्तांतरित किया जा रहा हैं। अत: श्रीमती श्रीमती दक्षा ओमप्रकाश शर्मा एवं कुमारी गुंजन ओमप्रकाश शर्मा और अन्य से उक्त संपत्ति के विषय मे कोई भी करार न करें, ऐसा करार अवैध होगा तथा मेरे पक्षकारों पर बंधनकारक नही होगा।

जे.एम. गांधी, अधिवक्ता

Name Change Report

I, Prakash Kumar Agrawal, S/o Jugalkishore Agrawal, residing at Sai Colony Road, Puna Toli, Tilak Ward, P-12/1007, Gondia – 441614, have changed my name from Prakash Kumar Agrawal to Prakash Agrawal and shall hereafter be known as Prakash Agrawal for all purposes.

Prakash Agrawal
(Formerly known as Prakash Kumar Agrawal)
Date: 04- 06 -2026
Place: Gondia, Maharashtra

नाम बदल सूचना

मैं प्रकाश कुमार अग्रवाल, पिता जुगलकिशोर अग्रवाल, निवासी साई कॉलोनी रोड, पुना टोली, तिलक वार्ड, पी-12/1007, गोंदिया पिन कोड 441614 ने अपना नाम प्रकाश कुमार अग्रवाल से बदलकर प्रकाश अग्रवाल कर लिया है, तथा भविष्य में सभी कार्यों, अभिलेखों एवं दस्तावेजों में प्रकाश अग्रवाल के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाऊँगा।

Prakash Agrawal
(Formerly known as Prakash Kumar Agrawal)
Date: 04- 06 - 2026 Place: Gondia, Maharashtra

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

पलसे के झाड से लाखकांडी चोरी..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/4/2026 से आज तक ग्राम कमरगाव मे फर्यादी अरविंद किशन साखरे उम्र 33 वर्ष निवासी कुंभारेनगर ने ग्राम पंचायत कमरगाव मे गट क्रमांक 540 सरकारी जगह मे ग्राम पंचायत मार्फत पलसे के झाड पर लाख लगाया था। घटना तारीख के दरम्यान 4 चोरो ने लाख चोरी कर ले जा रहे थे। फर्यादी और स्टॉफने देखा इससे पूर्व भी उन्होंने लाख चोरी की है, फर्यादी के दिये बयान पर 10 किलो लाख किमत 6 हजार रुपये का माल चोरी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोरेगाव मे अपराध क्रमांक 397/2026 धारा 303,2,62, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा कुरसुंगे पोस्टे गोरेगाव कर रहे है।

सांप काटने से बालक की मौत..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के चिचगड पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/6/2026 के 11 बजे के दरम्यान ग्राम भागी मे ओमांश मोहनलाल गभने उम्र 3 वर्ष निवासी भागी को घर परीसर मे जहरीले सांप ने काटा उसे उपचार के लिये ग्रामीण अस्पताल चिचगड ले गये जहा डाक्टर ने जाँच कर मृत घोषीत करने से फर्यादी के बयान पर पोस्टे चिचगड मे अकस्मात मौत क्रमांक 15/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाच पोहवा राऊत चिचगड कर रहे है।

पहले वापस किये उधारी के पैसे उसके बाद चलाई लाठी, मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/6/2026 के 9 बजे के दरम्यान ग्राम पिपरटोला मे फर्यादी सुदर्शन सुकलाल बिसेन उम्र 71 वर्ष निवासी पिपरटोला और आरोपी रिश्तेदार होकर पुराने पैसे के लेन देन की वजह से आपस मे बातचीत बंद थी। घटना के दिन चारो आरोपियो ने पैसे देने के लिये आये पैसे वापस करने के बाद कहा अब हमारा हिसाब हो गया अब आना जाना नाती ही करेगा फर्यादी ने कहा मै हु जो भी है मेरे से बात करो इस बात पर आरोपियो मे बास की लकडी से हाथ पैर पर मारा नाती बिचबचाव के लिये आया तो उसे भी मारपीट की और आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 393/2026 धारा 118, 1, 115, 2, 351, 2, 3, 5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा गायधने पोस्टे आमगाव कर रहे है।

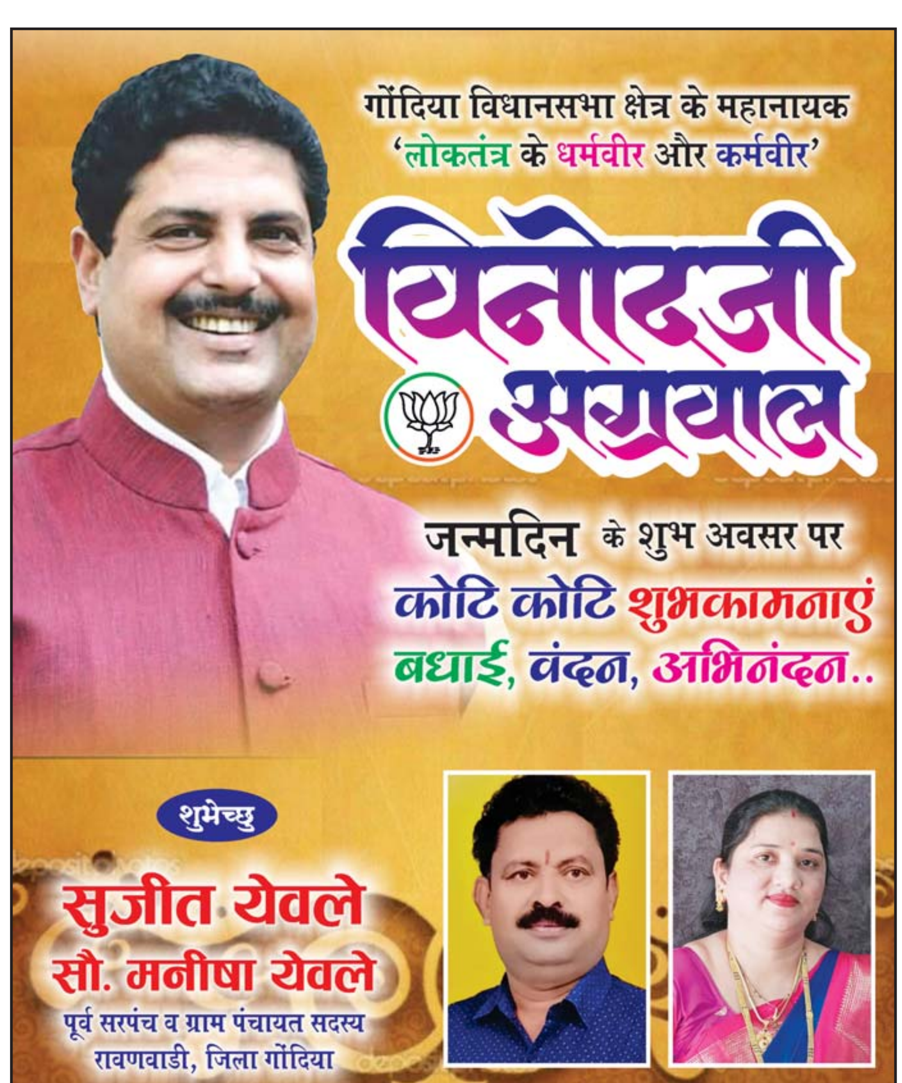

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजीव बापट गोंदिया

मो. 9922607145

जग प्रेरणा गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव

1 महावीर कॉम्पलेक्स

एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास

2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट

2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com